# सब का सपना

Tittle Code :-UPHIN 51223

निष्पक्ष व निडर साप्ताहिक समाचार पत्र

पेज–05


वर्ष–01 अंक–15 अमरोहा उत्तर प्रदेश www.sabkasapna.com सोमवार ● 12 फरवरी से 18 फरवरी 2024 पेज–08 मूल्य 5 रूपये


**जरूर पढ़ें**

## मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की 14 फरवरी को लेकर बड़ी घोषणा

**नई दिल्ली :** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने सरल स्वभाव के चलते अक्सर लोगों सो घिरे रहते हैं। रविवार सीएम विष्णुदेव साय विधानसभा क्षेत्र कुनकुरी के कंडोरा गांव पहुंचे। यहां सीएम साय मातृ पितृ पूजन समिति जशपुर के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए 14 फरवरी के दिन को मातृ पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाने की घोषणा भी की। इसके साथ ही सीएम ने इस खास मौके पर अपने अतीत को भी याद किया।जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि हम सभी लोगों को अपने मां–पिता का सम्मान करना चाहिए। किसी भी इंसान की जिंदगी में उसके माता–पिता भगवान से भी बड़े होते हैं।

## राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समय क्यों बदला

**प्रयागराज :** कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश में अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समय में बदलाव किया है। इसके साथ ही यात्रा को छोटा भी किया गया है। यह निर्णय यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं को देखते हुए लिया गया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि न्याय यात्रा अब यूपी में 14 फरवरी के बजाय 16 फरवरी को प्रवेश करेगी। उन्होंने बताया कि यात्रा 22 या 23 फरवरी को समाप्त होगी। इसकी वजह यह है कि जिन स्थानों पर कैडरों और आयोजकों को रहना था, वे आमतौर पर निजी स्कूल या कॉलेज हैं जो अब बोर्ड परीक्षाओं के लिए आरक्षित होंगे।

# झाबुआ पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

## हमेशा चुनावों के वक्त कांग्रेस को किसानों की याद आती है : पीएम नरेंद्र मोदी

**नई दिल्ली, एजेंसियां**

पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को मध्य प्रदेश के झाबुआ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर खूब निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमेशा चुनावों के वक्त कांग्रेस को किसानों की याद आती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों और आदिवासियों के लिए काम कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार आदिवासियों के हितों के लिए काम कर रही है, जबकि विपक्षी कांग्रेस को सिर्फ चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं। प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में आदिवासी समुदाय के लोगों की एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। कुछ ही महीनों में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले इस साल प्रधानमंत्री मोदी की मध्य प्रदेश की यह पहली यात्रा है। उन्होंने कहा, ''हमने वोट के लिए नहीं, बल्कि आदिवासियों के स्वास्थ्य को लेकर सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ अभियान शुरू किया है।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस को केवल चुनाव के समय ही गांव, गरीब और किसान याद आते हैं।''

### क्या बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं झाबुआ में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने नहीं, बल्कि आपका सेवक बनकर आया हूं। हमारी डबल इंजन सरकार मध्य प्रदेश में दोगुनी गति से काम कर रही है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने मतदाताओं से भाजपा को 370 लोकसभा सीट जीतने के लिए पिछले चुनाव की तुलना में प्रत्येक बूथ पर 370 अतिरिक्त वोट सुनिश्चित करने को कहा। बता दें कि पीएम मोदी ने राज्य के लिए 7,550 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''कांग्रेस जब सत्ता में रहती है तो लोगों को लूटने का काम करती है और जब सत्ता से बाहर होती है तो लोगों को लड़वाने का काम करती है।'' उन्होंने कहा, ''लूट और फूट कांग्रेस का ऑक्सीजन है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां तक कि संसद में विपक्षी नेता भी अब सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए ''अबकी बार 400 पार'' बात कह रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 'कमल' चिह्न 370 से ज्यादा सीट जीतेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं झाबुआ में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने नहीं, बल्कि आपका सेवक बनकर आया हूं। हमारी डबल इंजन सरकार मध्य प्रदेश में दोगुनी गति से काम कर रही है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने मतदाताओं से भाजपा को 370 लोकसभा सीट जीतने के लिए पिछले चुनाव की तुलना में प्रत्येक बूथ पर 370 अतिरिक्त वोट सुनिश्चित करने को कहा।

बता दें कि पीएम मोदी ने राज्य के लिए 7,550 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने हां कहा कि मध्य प्रदेश में चल रही विकास परियोजनाओं से पता चलता है कि डबल इंजन सरकार सभी विकास कार्यों पर दोगुनी गति से काम कर रही है।

# नीतीश कैबिनेट के फ्लोर टेस्ट से पहले बड़ा फेरबदल

**पटना, एजेंसियां**

बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल के फ्लोर टेस्ट से पहले राजभवन में बड़ा बदलाव किया गया है। दरअसल, राजभवन में लीगल एडवाइजर की पूरी टीम को बदल दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के राज्यपाल के विधि सलाहकार की नई टीम में डॉ. कृष्ण नंदन सिंह को चीफ लीगल एडवाइजर नियुक्त किया गया है। बता दें कि नीतीश कुमार ने बीते दिनों विपक्षी महागठबंधन का साथ छोड़ते हुए भाजपा से हाथ मिलाया था और राज्य में फिर से सरकार बनाई थी।

इसके अलावा रंजन पाण्डेय को लीगल एडवाइजर सह रिटेनर और जनार्दन प्रसाद सिंह को एडिशनल कौंसुल बनाया गया है। राजभवन सचिवालय से इसकी अधिसूचना जारी की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले राजभवन की लीगल एडवाइजर टीम में पटना हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट वाईवी गिरी, आरके गिरी और राणा विक्रम सिंह नियुक्त थे। बता दें कि प्रदेश में 12 फरवरी को नई सरकार का फ्लोर टेस्ट होना है। इसमें सीएम नीतीश कुमार को विधानसभा में बहुमत साबित करना होगा।

राज्यपाल की भूमिका बढ़ सकती है

जानकार बताते हैं कि यह तब्दीली ऐसे समय में की गई है जब बिहार में राजनीतिक उथल–पुथल का माहौल है। नीतीश कुमार को विधानसभा में बहुमत साबित करना है। जिस खेला की चर्चा चल रही है यदि वह सही साबित होता है और नीतीश सरकार बहुमत साबित नहीं कर पाती है तो ऐसे में राज्य में संवैधानिक संकट की स्थिति बन जाएगी, जिसका विकल्प राष्ट्रपति शासन भी हो सकता है। विधानसभा भंग कर सकते हैं नीतीश?

इससे पहले राजद के विधायक भाई वीरेंद्र ने शनिवार को दावा किया था की नीतीश कुमार विधानसभा को भंग कर सकते हैं। उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी को इसकी जानकारी मिली है कि इस बात की संभावना है कि फ्लोर टेस्ट के पहले नीतीश कुमार हार मान लें और विधानसभा भंग करने की सिफारिश राज्यपाल से कर दें। हालांकि जदयू और भाजपा के नेताओं से इससे इनकार किया है।राजद का दावा, तेजस्वी बनेंगे सीएम

टफ्लोर टेस्ट से पहले बिहार के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो रही है। सभी पार्टियां अपने–अपने विधायकों को बचाने की कोशिश में जुटी हुई हैं। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपनी पार्टी के साथ वाम दलों को अपने सरकारी आवास पर रोक रखा है। राजद के नेता मृत्युंजय तिवारी ने दावा किया है कि नीतीश बहुमत साबित ही नहीं कर पाएंगे और तेजस्वी यादव अगले मुख्यमंत्री बनेंगे। नीतीश कुमार के कई विधायक हमारे संपर्क में बने हुए हैं।

# लाड़ली बहनों को सीएम मोहन यादव का तोहफा

**नई दिल्ली, एजेंसियां**

मध्य प्रदेश की करोड़ों लाड़ली बहनों के लिए सीएम डॉ. मोहन यादव एक खास तोहफा लेकर आए हैं। वह राज्य के मंडला में आयोजित किए जा रहे राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थित थे। जहां से सीएम डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहनों के खातों में राशि ट्रांसफर की। हालांकि इस योजना के साथ–साथ उन्होंने और घोषणाएं भी की हैं। चलिए जानते हैं उनके द्वारा की गई ये खास घोषणाएं कौन–कौन सी हैं?

आपको बता दें कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा चुनाव से पहले लाड़ली बहना योजना की घोषणा की थी। जिसके तहत बहनों के बैंक खातों में राशि आने की शुरुआत की गई थी। लाड़ली बहना योजना की हितग्राहियों के खातों में फरवरी माह की किस्त जारी की गई।

मंडला में भी खुलेगा आयुर्वेदिक कॉलेज

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि जब कोरोना के समय में तमाम दवाइयां बेकार हो गई थीं। तब आयुर्वेद काम आया था। वह जानते हैं कि राज्य में जड़ी–बूटियों का कितना महत्व है और इस तरह मंडला में आयुर्वेदिक कॉलेज खोलने की घोषणा की गई।

उन्होंने कहा कि पूरे राज्य के हर जिले में एक्सीलेंस कॉलेज बन रहा है। मंडला में क्यों न बने? इसलिए मंडला में भी एक्सीलेंस कॉलेज बनेगा।

घोषणाओं की लिस्ट में नवीन आईटीआई का नाम भी शामिल है। दरअसल प्रदेश में नवीन आईटीआई खोला जाएगा, जिससे भविष्य में रोजगार के और ज्यादा अवसर बढ़ेंगे। इसके अलावा सीएम ने ये भी कहा कि मंडला में नवीन हाईस्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूल भवन, हॉस्टल, रोड एवं 11 करोड़ की लागत से सामुदायिक भवन बनाया जाएगा। लगभग 27 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया है।

# अब क्यों दिल्ली कूच की तैयारी कर रहे किसान!

**नई दिल्ली, एजेंसियां**

देश में लोकसभा चुनाव से ऐन पहले किसान आंदोलन को लेकर माहौल एक बार फिर गरमाता नजर आ रहा है. किसानों ने एक बार फिर दिल्ली कूच का आह्वान किया है. किसान संगठनों ने 13 फरवरी को दिल्ली में प्रदर्शन की तैयारी शुरू कर दी है.

इस क्रम में सरकार ने भी किसानों से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की है. अब जबकि किसानों की मांगों और तीन कृषि कानूनों के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसान 13 महीने तक किसान आंदोलन कर चुके हैं तो अब फिर से किसान आंदोलन को लेकर लोगों के मन में कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई है. क्योंकि दिल्ली की सीमाओं पर 13 महीने तक चले धरना प्रदर्शन और आंदोलन को सरकार की पहल पर वापस ले लिया गया था. सरकार ने किसानों की मांगों को मानते हुए धरना खत्म करने की अपील की थी, जिसके बाद आंदोलन को

समाप्त कर दिया गया था. ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सरकार के खिलाफ फिर से सिर उठा रहे किसान आंदोलन और उसकी मांगों को जान लिया जाए.

दरअसल, संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनैतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने 12 मांगों को लेकर सरकार की मोर्चाबंदी की हुई है. ये दोनों ही संगठन तीनों कृषि कानूनों को लेकर हुए किसान आंदोलन में शामिल रह चुके हैं. इस क्रम में हम आपको बता दें कि इन दोनों किसान संगठनों की मांगें क्या हैं.

किसानों की सभी फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर खरीदी जाएं. साथ ही एमएसपी की अनिवार्यता को लेकर कानून बनाया जाए और एम एस स्वामीनाथन की रिपोर्ट को लागू किया जाए.

सरकार किसानों और श्रमिकों के सभी लोन माफ करे

भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 को देशभर में फिर से लागू किया जाए. इसके साथ ही भूमि अधिग्रहण से पहले किसानों की लिखित समहमति और कलेक्टर भाव से चार गुना ज्यादा मुआवजे की व्यवस्था की जाए.

लखीमपुर खीरी नरसंहार के दोषियों को सजा मिले

इसके साथ ही सभी मुक्त व्यापार समझौतों (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) पर रोक लगाई जाए.

किसानों और खेतों में काम करने वाले मजदूरों को पेंशन दी जाए.

तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों के परिजनों को मुआवजा और सरकारी नौकरी दी जाए.

बिजली संशोधन बिल 2020 को कैंसिल किया जाए

मनरेगा में हर साल दो सौ दिन की रोजगार गारंटी, 700 रुपए मजदूरी भत्ता की व्यवस्था और साथ ही मनरेगा को खेती किसानी से जोड़ा जाए.

नकली कीटनाशक दवाइंयां, बीज और खाद बनाने वाली कंपनियों को दंडित किया जाए और जुर्माने का प्रावधान हो. इसके साथ ही बीजों की गुणवत्ता में सुधार किया जाए.

# हल्द्वानी के बाहरी इलाके से कर्फ्यू हटा लेकिन बनभूलपुरा में जारी, प्रतियोगी परीक्षा पर रोक नहीं

**हल्द्वानी, एजेंसियां**

उत्तराखंड के हल्द्वानी में हिंसा के बाद प्रशासन का कड़ा एक्शन जारी है। हल्द्वानी के बाहरी इलाके में आज कर्फ्यू हटा लिया गया है, तो हिंसा प्रभावित बनभूलपुरा में आज भी कर्फ्यू जारी रहेगा। वहीं हालात को देखते हुए प्रशासन ने 24 घंटे के लिए इंटरनेट बैन का फैसला लिया है। लेकिन हल्द्वानी में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं पर रोक नहीं लगाई गई है। वहीं हिंसा के मास्टरमाइंड समेत दूसरे दंगाइयों के खिलाफ कड़ा एक्शन जारी है। पुलिस पर हमले का मास्टर माइंड अब्दुल मलिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। हल्द्वानी हिंसा पर सीएम धामी ने दंगाइयों को कड़ी चेतावनी दी है। सीएम धामी ने कानून तोड़ने वालों के साथ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि कर्फ्यू केवल बनभूलपुरा में रहेगा, जबकि पूरे हल्द्वानी में आज भी

इंटरनेट बैन है। हालांकि आज कई परीक्षाएं हैं, उन्हें ठीक से करवाने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। रोडवेज़ की बसें पहले की तरह चलेंगी। मंडी में सब्ज़ी की आवक जारी रहेगी।

राशन, दूध सब कुछ मिलेगा। संवेदनशील जगहों पर जवानों को तैनात किया गया है। सरकार हालात पर पैनी निगाहें बनाए हुए है।

हल्द्वानी हिंसा मामले में अब तक करीब 90 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। रातभर भी पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया है। इस मामले में अब तक पूर्व पार्षद महबूब आलम, जीशान, समाजवादी पार्टी के नेता अरशद अयूब, असलम चौधरी, सपा नेता अब्दुल मतीन के भाई जावेद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया जा चुका है।इस बीच हिंसा के मास्टर माइंड अब्दुल मलिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। अब्दुल ही वो शख्स है जिसने पचास रुपए के स्टांप पेपर पर सैकड़ों ऐसे प्लाट बेच दिये जो सरकारी ज़मीन पर बने थे। इसके अलावा भी गिरफ्तारी जारी है वीडियो फुटेज के जरिए, पेट्रोल बम और पत्थरों से हमला करने वालों की पहचान और गिरफ्तारी की जा रही है।

इतना ही नहीं हिंसा करने वालों से अब वसूली की तैयारी है। सीएम धामी ने साफ कहा है कि कानून से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। अभी तक की जांच में पता चला है कि प्रशासन ने इंटेलिजेंस की रिपोर्ट को अनदेखा किया। हल्द्वानी हिंसा से एक हफ्ते पहले मलिक का बागीचा में जब नगर निगम की टीम पहुंची तो उस दिन आरोपी मलिक से जमकर बहस हुई थी। अब्दुल मलिक ने निगम कमिश्नर को जमीन के कागज नहीं दिखाए थे जिसके बाद 29 जनवरी को निगम ने विवादित जमीन पर कब्जा कर लिया था।

### चालू होने में रह गया है सिर्फ इतना समय

# मंगोलिया में भारत बना रहा बड़ी तेल रिफायनरी

**नई दिल्ली: एजेंसी**

भारत ने गैस और ऊर्जा की कमी को दूर करने के लिए मंगोलिया में बड़ी तेल रिफायनरी बना रहा है। यह रिफायनरी अगले 2 वर्ष में चालू हो जाएगी। भारत और मंगोलिया दोनों ही देशों को इस रिफायनरी का बड़ा फायदा होगा। इससे भारत को गैसोलीन से लेकर तरल पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति हो सकेगी।

भारत में मंगोलिया के राजदूत डैम्बाजाव गैनबोल्ड ने कहा है कि दक्षिण गोबी में भारत की सहायता से तैयार हो रही तेल रिफाइनरी परियोजना सही दिशा में आगे बढ़ रही है और यह 2026 तक चालू हो जाएगी। उन्होंने

हालांकि रिफाइनरी संयंत्र के लिए उत्पादों की आपूर्ति में भारत की ओर से कुछ देरी की बात स्वीकार की।

मंगोलिया के अनुसार ''बेशक, उत्पादों की आपूर्ति में भारत की ओर से कुछ देरी हुई है, लेकिन कुल मिलाकर परियोजना अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। यह शीघ्र ही चालू होने वाली है।'' गैनबोल्ड ने कहा कि यह परियोजना दोनों देशों के संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है और इसके पूरा होने का बेसब्री से इंतजार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2015 में मंगोलिया यात्रा के दौरान इस परियोजना की घोषणा हुई थी। इसके लिए भारत 1.2 अरब डॉलर की ऋण सहायता दे रहा है।

**कोविड के चलते प्रोजेक्ट में हुआ विलंब:** गत वर्षों में कोरोना होने के चलते रिफाइनरी के निर्माण में देरी हुई है।

उन्होंने कहा, ''रिफाइनरी परियोजना पर काम अच्छा चल रहा है। कोविड के कारण इसमें डेढ़ साल की देरी हुई है। हमारा मानना है कि यह 2026 तक चालू हो जाएगी।'' रिफाइनरी का लक्ष्य रूस से तेल आयात पर मंगोलिया की निर्भरता को कम करना है।

# असम में अब तंत्र–मंत्र और जादू टोने से इलाज करना क़ानूनी अपराध

**नई दिल्ली, एजेंसियां**

आज का समय विज्ञान का है। विज्ञान ने कई लाइलाज बीमारियों का इलाज खोज लिया है। लेकिन अभी भी कई लोग ढोंगियों और अज्ञानी लोगों के बहकावे में आकर जादू टोने के भरोसे से इलाज कराते हैं। आपने भी कभी ना कभी सुना होगा कि फलाना बाबा या फ़क़ीर दुआ पढ़कर रोगों को ठीक करता है। शायद आपने किसी को ऐसा करते हुए भी देखा होगा। लेकिन अब असम में ऐसा करना गैरक़ानूनी होने वाला है।

सरकार ने विधेयक पर लगाई मुहर

शनिवार को असम सरकार ने उपचार के नाम पर 'जादुई उपचार' की प्रथाओं को प्रतिबंधित करने और समाप्त करने के लिए एक विधेयक को मंजूरी दे दी। इस विधेयक में ऐसे उपचारकर्ताओं के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। यह निर्णय मुख्यमंत्री हिमंत

विश्व शर्मा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया।

बैठक में लिए गए निर्णयों को साझा करते हुए शर्मा ने कहा कि कैबिनेट ने एक समर्पित सतत विकास कार्यक्रम के लिए 10 शहरों/कस्बों का भी चयन किया और राज्य नगरपालिका कैडर में सुधार लाने का प्रस्ताव रखा। मंत्रिपरिषद ने 'असम उपचार (बुराइयों की रोकथाम) प्रथा विधेयक, 2024' को मंजूरी दे दी। विधेयक का उद्देश्य बहरापन, गूंगापन, अंधापन, शारीरिक विकृति और ऑटिज्म जैसी कुछ जन्मजात बीमारियों के इलाज के नाम पर जादुई उपचार की प्रथाओं को प्रतिबंधित करना और समाप्त करना है।

# सरकार की मंशा पर ग्राम प्रधानों व ग्राम पंचायत सहायकों ने लटका दिए ताले

सब का सपना, संवाददाता

10:52 मिनट पर ग्राम पंचायत दौलतपुर कला के पंचायत भवन पर मेंन गेट का ताला खुला हुआ। लेकिन कार्यालय और कंप्यूटर कक्ष दोनों का ताला बंद है। पंचायत भवन पर 10:52 पर कोई नहीं मिला।

**अमरोहा/यूपीः** उत्तर प्रदेश की योगी सरकार चाहें कितने ही दावे कर ले कि वह विकास कर रहे हैं। लेकिन जमीनी हकीकत शायद कुछ और ही है।सरकार की मनसा है कि किसी भी ग्रामीण को अब ब्लॉक व तहसीलों के चक्कर न काटने पड़े लेकिन जिम्मेदार सरकार की मनसा पर पानी फेरने में लगे हुए हैं। चाहे कितने ही दावे कर ले कि वह अब हर एक ग्रामीण को जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र व अन्य प्रमाण पत्र गांव में ही मिलेंगे। इसी मनसा को साकार करने के लिए सरकार के द्वारा ग्राम पंचायतो में मिनी सचिवालय बनवाए गए। गांव को स्वच्छ बनाए रखने के लिए गांव के अंदर सार्वजनिक शौचालय भी बनाए गए। जिनमें सरकार के द्वारा 15 से 20 लाख रुपए हर ग्राम पंचायत पर खर्च किया गया। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। अक्सर आपको ग्रामीण अंचल के लोग ब्लॉक व तहसील स्तर पर चक्कर काटते हुए नजर आ जाते हैं। जब तहसील व ब्लॉक के चक्कर काटने वाले ग्रामीणों से पूछा जाए कि अब आपको ब्लॉक आने की आवश्यकता नहीं है। अब तो आपके गांव में ही मिनी सचिवालय बन गए हैं। यानी की पंचायत भवन। आप वहां जाइए, आपका काम वहीं से होगा। तब ग्रामीणों के द्वारा एक ही जवाब मिलता है कि भैया कहां और किसके पास मिनी सचिवालय यानी की पंचायत भवन में तो ताले लटके हुए रहते हैं। वहां पर कोई नहीं बैठता। जब इन सभी बातों को जानने के लिए हमारी टीम ने 9 फरवरी दिन शुक्रवार को अमरोहा जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी के ग्रामीण अंचल का दौरा किया। तो ग्रामीणों द्वारा कही गई बात सच निकली। कहीं पंचायत भवन में ताला लटका मिला तो कहीं पंचायत भवन का मेन गेट तो खुला था लेकिन कार्यालय में ताला लटक रहा था।

**सबसे पहले 10:52** पर जब हमारी टीम ग्राम पंचायत दौलतपुर कला के पंचायत भवन पर पहुंची तो देखा कि मेंन गेट का ताला खुला हुआ है लेकिन कार्यालय और कंप्यूटर कक्ष दोनों का ताला बंद है। पंचायत भवन पर 10:52 पर कोई नहीं मिला।

**11:13 पर जब** हमारी टीम ग्राम पंचायत गांगटकोला पहुंची तो देखा कि पंचायत भवन बंद है और चारों तरफ गंदगी पसरी हुई है इतना ही नहीं खुद पंचायत भवन भी देखने में ऐसा लग रहा था जैसे कि यह पंचायत भवन ही नहीं है। खुद पंचायत भवन रो-रोकर बयां कर रहा था कि वह महीनों से खुला ही नहीं है। वहीं दूसरी तरफ सामुदायिक शौचालय का हाल भी कुछ कम नहीं था। शौचालय के अंदर गंदगी पसरी हुई थी।

**तीसरे नंबर पर हमारी टीम 11:35 पर** ग्राम पंचायत सकरौली के पंचायत भवन बड़ी मिलक पहुंची तो वहां पर भी पंचायत भवन का ताला लटका हुआ मिला।

**उसके बाद हमारी टीम 11:49 मिनट** पर ग्राम पंचायत गुलामपुर पहुंचीं तो वहां का नज़ारा भी कम नहीं था। सामुदायिक शौचालय का ताला लटका हुआ था। महिला शौचालय का ताला खुला हुआ था लेकिन उसके अंदर भी गंदगी पसरी हुई थी।

**पांचवें नंबर पर हमारी टीम 12:54** मिनट पर ग्राम पंचायत पिपलोती खुर्द पहुंची। लेकिन ग्राम पंचायत सचिवालय का ताला यहां पर भी लटका हुआ ही मिला।

**उसके बाद हमारी टीम 1:05** पर पंचायत भवन ग्राम पंचायत सिरसा गुर्जर पहुंची लेकिन यहां का नजारा तो बिल्कुल अलग ही था। बताया जाता है कि पंचायत भवन ग्राम प्रधान के घर के बिल्कुल पास में ही है उसके बाद भी पंचायत भवन पर ताला लटक रहा था। जब इन सभी पंचायत भवन और शौचालय के विषय में जानने के लिए विकासखंड गंगेश्वरी के विकासखंड अधिकारी के सरकारी नंबर पर कॉल की गई तो घंटी जाती रही लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

11:13 मिनट पर ग्राम पंचायत गांगटकोला का बंद पंचायत भवन।

11:35 पर ग्राम पंचायत सकरौली के बड़ी मिलक स्थित पंचायत भवन पर लटका हुआ ताला।

11:49 मिनट पर ग्राम पंचायत गुलामपुर के सामुदायिक शौचालय के पुरुष शौचालय का ताला लटका हुआ था। महिला शौचालय के अंदर गंदगी पसरी हुई थी।

12:54 मिनट पर ग्राम पंचायत पिपलोती खुर्द के पंचायत सचिवालय का ताला लटका हुआ।

1:05 पर ग्राम पंचायत सिरसा गुर्जर के पंचायत भवन पर ताला लटक हुआ।

एक नजर

## पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने के निर्णय की खुशी में बांटे गए लड्डू

**अमरोहा/यूपीः** भारतीय जनता पार्टी अमरोहा जिला कार्यालय पर डॉ सोरन सिंह चौधरी एवं जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी जी ने भारतीय राजनीति में शुचिता, सादगी व सरलता की प्रतिमूर्ति, अन्नदाता किसानों के सर्वांगीण विकास हेतु आजीवन संघर्षरत रहने वाले महान किसान नेता, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किए जाने का निर्णय लेने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का हृदयतल से आभार व्यक्त किया गया तथा लड्डू बाँटे । डॉ सोरन सिंह चौधरी ने कहा कि किसान नेता चौधरी चरण सिंह जी को 'भारत रत्न' सम्मान देकर मोदी सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह किसानों की सच्ची हितैषी है। किसानों, पिछड़ों, गरीबों, शोषितो और वंचितों को सम्मान, स्वाभिमान और उनको समाज में बराबरी का दर्जा देने का काम मोदी सरकार लगातार कर रही है। इस मौके पर रमेश कलाल, मनोज शर्मा, हिमांशु त्यागी, वीर सिंह सैनी, अमन सिंह, अमित सैनी, उपेन्द्र शर्मा, सूरज बंसल इत्यादि कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे।।

## कोतवाली प्रभारी हसनपुर ने क्या अभद्र व्यवहार आक्रोशित किसान धरने पर बैठे

**हसनपुर/अमरोहाः** भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ता दिन वृषपतिवार पुलिस क्षेत्र अधिकारी हसनपुर कार्यालय पर पहुंचे और हसनपुर कोतवाली के प्रभारी की बर्खास्त की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए।

आपको बता दें कि गत रात्रि कोतवाली प्रभारी हसनपुर द्वारा भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया था। जिससे भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं में आक्रोश पैदा हो गया। आक्रोशित कार्यकर्ता पुलिस क्षेत्राधिकारी हसनपुर कार्यालय पहुंचे और धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। वहीं धरना प्रदर्शन मे उपस्थित प्रांतीय उपाध्यक्ष चो नरेंद्र सिंह ने कहा कि क्षेत्र में पुलिस की निष्क्रियता के चलते लूट की घटनाएं बढ़ रही हैं। सारे नियम कानून को धता बताते हुए कहा कि कई पुलिस कर्मी 5 वर्ष से अधिक समय से जमे हुए हैं लगातार भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। हैरत का विषय है कि कोतवाली पुलिस लुटेरों के प्रति नर्म और सामाजिक संगठन के कार्यकर्ताओं के प्रति गरम रवैया अपना रही है जो सही नहीं है। धरने में उपस्थित जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि बिजली विभाग द्वारा बिल वसूली, चैकिंग, मीटर लगाने, बदलने, बिल ठीक कराने के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। हाईवे पर बने अंडर पासो का तल जमीन की सतह से नीचा रखा गया है। जिससे वर्षा होने से उनमें जल भराव की समस्या बनी रहती है। तल को जमीन की सतह से उंचा रखा जाए। चिनिमिलों को सेंटरों से गन्ना ढोने के लिए ट्रक एवं ट्रालो का प्रयोग किया जाता है जिन्हे अधिक ऊंचाई में भरने से पलटने का खतरा बना रहता है। मानक तय कर गन्ना भरा जाए। निराश्रित गौवंशीय पशुओं से किसानों की फसलों को नस्ट होने से बचाने के लिए पशु छोड़ने की प्रवृति पर अंकुश लगाने के लिए किसानों को प्रति पशु प्रति दिन 50 रुपए पालक किसानों को दिए जाएं।

इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा जिला कार्यालय मंत्री महिपाल सिंह, युवा जिला संयोजक सुखदेव शर्मा, ब्लाक अध्यक्ष धर्मपालसिंह चौहान, ब्लाक मंत्री ओमवीर सिंह, ब्लाक उपाध्यक्ष यशवीर सिंह, मुनेश शर्मा, धर्मपाल खडगवंशी, ओमप्रकाश शर्मा, चिंतेश, मांगेराम, परशुराम, धर्मपाल, सुबोध शर्मा, गंगाराम सिंह, विशेष शर्मा आदि मौजूद रहे।

## दबंगों ने बिजली कर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

**अमरोहा।** नगर कोतवाली क्षेत्र में दबंगई का एक हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है। जिसमें साफ साफ देखा जा सकता है कि आधा दर्जन से अधिक दबंग लोग बिजली कर्मियों पर जमकर लात घूंसे बरसा रहे हैं। इतना ही नहीं एक आरोपी युवक कार के शीशे तोड़ रहा है। करीब आधे घंटे तक आरोपी मारपीट करते रहे। इससे मोहल्ले में काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। पुलिस ने तीन नामजद सहित 15 आरोपियों के खिलाफ किया मुकदमा दर्ज कर लिया है।आपको बता दें कि रात में बिजली कर्मचारी जर्जर पोल को बदलने का काम कर रहे थे। अचानक दबंगों ने बिजली टीम पर हमला कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ने बल प्रयोग कर आरोपियों को भगाया।

## अलग अलग जगहों पर कहीं आठ तो कहीं दस वर्षों से डॉक्टर दे रहें अपनी सेवाएं रिश्वत को लेकर भी लग चुके हैं आरोप

**अमरोहा/यूपीः** – जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं का हाल बेहाल है इसे नकारा नहीं जा सकता। एक आम आदमी सरकारी अस्पताल न जाकर झोलाछाप के यहां इलाज कराना मुनाशिव समझता है इससे साफ हो जाता है कि एक आम आदमी सरकारी अस्पतालों के सरकारी डॉक्टरों पर कितना भरोसा कर रहा है। आए दिन खबरें प्रसारित होती रहती हैं। कहीं किसी झोलाछाप के द्वारा इंजेक्शन लगाने के बाद तो कहीं किसी महिला के ऑपरेशन के बाद आए दिन जनपद भर में मोतो का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। खबरें लगातार प्रसारित होती रहती है लेकिन शायद सिस्टम में कुछ भी सुधार होता हुआ देखा नहीं जा सकता। पिछले ही दिनों हमारी टीम ने जब क्षेत्र का दौरा किया था तो कहीं तो अस्पताल बंद मिले तो कहीं डॉक्टर नदारद। इन सभी सवालों के तथ्य समझने के लिए हम निकल पड़े क्षेत्र का दौरा करने के लिए जब क्षेत्र का दौरा किया तो पता चला की एक ही डॉक्टर एक ही जगह पर जब इतने लंबे समय आठ से दस वर्षो तक नियुक्त रहेगा या यू कहे की एक ही स्थान पर साल दर साल नौकरी करता रहेगा तो उसके संबंध राजनीतिक लोगों के साथ तो हो ही जाते हैं। वहीं दूसरी तरफ क्षेत्र के भ्रष्ट लोगों के साथ मिलकर वह भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाता है। इसके बाद उसका दिल उस जगह से दूसरी जगह जाने के लिए नहीं करता या यूं कहें कि एक ही जगह का वह डॉक्टर दीवाना बन जाता हैं। आपको बता दे की सीएचसी रहरा में लगातार 8 वर्षों से डॉक्टर सौरभ त्यागी की तैनाती है वहीं दूसरी तरफ गजरौला सीएचसी में सीएचसी प्रभारी योगेंद्र सिंह की तैनाती लगभग दस वर्षों से है दोनों में कुछ भी अंतर नहीं है। सौरभ त्यागी व गजरौला सीएचसी अधीक्षक के खिलाफ लगातार किसान यूनियन, समाज सेवी संगठनों के द्वारा रिश्वत के भी आरोप भी लगे हैं। और और कई अन्य अखबारों में समय-समय पर उनके विरोध में खबरें भी छपी हैं। लेकिन उसके बाद भी इन डॉक्टरों का एक ही जगह पर नियुक्त रहना अपने आप पर यानी कि सिस्टम पर सवाल खड़े करता है। या यह कहा जाए कि सिस्टम के उच्च अधिकारियों से मिली भगत दर्शाता है।

सीएससी प्रभारी गजरौला के खिलाफ बजरंग दल के कार्यकर्ता धरना प्रदर्शन करते हुए।

## छात्राओं ने रैली निकालकर किया यातायात नियमों के प्रति जागरूक

**अमरोहा/यूपीः** भागीरथी देवी महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा यातायात जागरूकता रैली निकाली गई।

रैली का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अभय कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया। जिसमें महाविद्यालय के छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली के द्वारा सड़क पर चल रहे वाहन चालकों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई। वाहन चालकों को बताया गया कि सुरक्षित तरीके से वाहन चलाना हमारा कर्तव्य है। वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा नियमों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। दुपहिया वाहन चलाते हुए वाहन चालक व पीछे बैठने वाले व्यक्ति को हेलमेट जरूर लगाना चाहिए। वही कार चालकों से आग्रह किया गया कि कार चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। नियमों का पालन करें ताकि अपने जीवन के साथ-साथ हम दूसरों के जीवन को भी सुरक्षित कर सकें। हमें तेज गति से वाहन नहीं चलाना चाहिए और बगैर ड्राइविंग लाइसेंस के भी वाहन को नहीं चलाना चाहिए। छात्राओं ने रैली निकालते समय सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, सीट बेल्ट का प्रयोग, हेलमेट लगाओ जीवन बचाओ आदि नारे लगाए। रैली महाविद्यालय से शुरू होकर धनोरा के अनेको स्थान पर घूमते हुए वापस महाविद्यालय पहुंची। रैली को सफल बनाने के लिए महाविद्यालय की छात्राओं सहित समस्त स्टाफ का भरपूर सहयोग रहा।

रैली का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अभय कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया। जिसमें महाविद्यालय के छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली के द्वारा सड़क पर चल रहे वाहन चालकों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई।

# बेटे इशांक ने किया था पिता और बहन का कत्ल

**अमरोहा/यूपीः–** शहर के मोहल्ला कटरा गुलाम अली निवासी योगेश अग्रवाल व उसकी दत्तक पुत्री सृष्टि अग्रवाल की हत्या कर दी गई थी।जानकारी पर पुलिस अधीक्षक अमरोहा कुंवर अनुपम सिंह मय पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। वही दोनों के सबों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया दिया गया। शनिवार देर शाम तक दोनों सबों का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के द्वारा मृतक के पुत्र ईशांक अग्रवाल से तहरीर लेकर पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी थी। पूरे मामले का जल्द खुलासा करने के लिए पुलिस अधीक्षक के द्वारा पुलिस की टीम गठित की गई और जल्द से जल्द खुलासा करने की बात कही गई। 24 घंटे ही गुजरे थे की पुलिस अधीक्षक के द्वारा पूरे मामले का खुलासा कर दिया गया। लेकिन जैसे ही मामले का पुलिस के द्वारा खुलासा किया गया तो हर कोई अचंभित रह गया। क्योंकि मर्डर करने वाला कोई और नहीं बल्कि मृतक का बेटा इशांक अग्रवाल और उसकी पत्नी व एक साथी निकला।

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डबल मर्डर का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह।

**पुलिस को गुमराह करने की, की गई थी कोशिश :** मृतक के बेटे ईशांक अग्रवाल के द्वारा पुलिस को गुमराह करने के लिए पुलिस को अलग-अलग तरीके की जानकारी दी गई थी। जैसे मेरठ निवासी अज्ञात महिला का घर आना जाना और भी काफी अन्य तरीकों से पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की गई। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस अधीक्षक के द्वारा अलग-अलग टीम गठित की गई। गठित हुई पुलिस टीमो के द्वारा सूचना तंत्र विकसित किए गए पूरी घटना को समझने के लिए पुलिस के द्वारा बहुत ही सूझबूझ के साथ प्रयास किया गया और पूरे मामले का खुलासा किया गया।पुलिस द्वारा पूछताछ पर इशांक अग्रवाल के द्वारा बताया गया कि उसके पिताजी के साथ काफी समय से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था संपत्ति के विवाद के चलते ही मेरे द्वारा दिल्ली स्थित मेरी फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर अनिल को पैसे का लालच देकर अपने घर बुलाया गया और पत्नी के साथ बैठकर पूरी साजिश को रचा गया। जिसको अंजाम देने के लिए तीनों ने मिलकर शुक्रवार शनिवार की रात्रि में दोनों की हत्या कर दी सबूत को छुपाने के लिए कमरे में सामान को इधर-उधर किया गया। ताकि कोई भी यह समझे कि यह लूट के साथ की गई हत्या हैं। हत्या करने के बाद योगेश चंद्र के शरीर पर मौजूद सोने की आभूषणों व मर्डर में इस्तेमाल किए गए सामान को छुपा दिया गया। लेकिन पुलिस की सतर्कता के चलते पूरे मामले का खुलासा हो गया।

इशांक अग्रवाल घर का अपना हिस्सा बेचकर परिवार सहित दिल्ली में शिफ्ट होना चाहता था लेकिन पिता संपत्ति बेचने के काम में अड़ंगा डाल रहे थे।जिससे कि पिता और पुत्र के संबंध अच्छे नहीं चल रहे थे वहीं दूसरी तरफ मृतक ने एक मुस्लिम महिला को घर में रख लिया था। उससे विवाह करने की योजना थी। घर में काफी अन्य भी महिलाओं का आना-जाना था।

जिससे कि काफी बदनामी हो रही थी और यही वजह रही की इशांक अग्रवाल ने काफी बार अपने पिता को समझाया भी था। लेकिन जब वह नहीं माने तो मजबूरन यह रास्ता अपनाना पड़ा।

## संक्षेप खबरें

### बरेलीः धान खरीद में पिछड़े, इसलिए 15 दिन पहले शुरू होगी गेहूं खरीद

**बरेलीः** धान खरीद में पिछड़े, इसलिए 15 दिन पहले शुरू होगी गेहूं खरीद बरेली, अमृत विचार। धान खरीद में पिछड़े अफसरों के सामने अब गेहूं खरीद का लक्ष्य पूरा करना किसी से चुनौती से कम नहीं होगा। पिछले सीजन में में भी लक्ष्य के सापेक्ष महज 1.36 फीसदी गेहूं की खरीद हुई थी। खरीद के दौरान बिचौलियों पर रोक के लिए तैयारी की जा रही है। एजेंसी प्रबंधकों के साथ बैठकें कर जिम्मेदारी तय की जा रही है। इस बार गेहूं का समर्थन मूल्य 150 रुपये से बढ़ाकर 2275 रुपये निर्धारित किया है। हर साल एक अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू होती है, लेकिन इस बार 15 मार्च से जिले के पांच एजेंसियों के 116 केंद्रों पर खरीद कराने का निर्णय लिया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में जिले के 135 केंद्रों पर 1.80 लाख एमटी खरीद का लक्ष्य था लेकिन सिर्फ 1.36 प्रतिशत खरीद हुई थी। इस बार धान खरीद ढाई लाख एमटी के सापेक्ष महज 75.76 प्रतिशत ही रही।

### मुरादाबाद : कोहरा सीजन से निरस्त ट्रेनों ने बाकी में बढ़ा दी भीड़, यात्रियों को परेशानी

मुरादाबाद,कोहरा सीजन के मद्देनजर निरस्त ट्रेनों के बहाल होने में अभी देरी है जबकि, मंडल मुख्यालय से होकर आने-जाने वाली ट्रेनों में इन दिनों भीड़ बढ़ गयी है। दैनिक यात्री तो मजबूर होकर दूसरे साधन का सहारा ले रहे हैं। शनिवार को कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के नहीं चलने का भी रेल सेवा पर व्यापक असर देखा गया। उत्तरांचल संपर्क क्रांति के दोनों फेरे निरस्त होने से यात्री परेशान हुए।

नई दिल्ली से चलने वाली काशी विश्वनाथ के निरस्त होने से मुख्य रूप से वाराणसी जाकर बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने वाले गुस्से में दिखे। निशा रानी, प्रयांशी और लाइनपार के जर्नादन को यात्रा निरस्त करनी पड़ी। जनसेवा एक्सप्रेस को रेल प्रबंधन ने निर्धारित रूट से डायवर्ट कर दिया है। सीतापुर- लखनऊसेक्शन में रेल पटरी मरम्मत की वजह से जननायक एक्सप्रेस को बदले रूट से चलाया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि अब लंबी दूरी की ट्रेनों की समयबद्धता में तेजी के साथ सुधार हुआ है। ऐसे में रूटीन में चलने वाली ट्रेनों में भीड़ बढ़ गयी है, जबकि कोहरा सीजन के चलते निरस्त की गयी ट्रेनें मार्च माह के पहले सप्ताह से चलाई जाएंगी।

बात अगर शनिवार की ही करें तो लालकुआं एक्सप्रेस, रामनगर लिंक, जनता एक्सप्रेस, बरेली- दिल्ली एक्सप्रेस और काठगोदाम- दिल्ली मेल को अचानक निरस्त कर दिया गया है। उधर, हावड़ा से देहरादून के

### देवेंद्र खड़कबंशी ने बूढ़े बाबू मेले का फीता काटकर किया शुभारंभ

**गजरौला :** – ग्राम बिजौरा में काफ़ी वर्षों से लगातार बूढ़े बाबू मेले का आयोजन किया इस वर्ष भी मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हसनपुर विधानसभा से विधायक पुत्र देवेंद्र खड़क बंशी ने फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया।

जिसमें ग्राम प्रधान व समस्त कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं व ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया उसके बाद मेले में पहुंचकर बूढ़े बाबू मट पर पूजा अर्चना की' इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष संजय शर्मी ,मंडल अध्यक्ष हेमराज सैनी ,मंडल महामंत्री संजय राणा, एडवोकेट जयकुमार राणा, नंदन खड़गवंशी ,निर्देशक नाहिद खान, अल्पसंख्यक मंडल अध्यक्ष कामिल सैफी, भरत सिंह खड़गवंशी पत्रकार

ग्राम प्रधान नदीम सैफी,ग्राम प्रधान रोहतास खड़गवंशी,प्रधान रिफाकत सैफी, आदि लोग उपस्थित रहे॥

### गंगा एक्सप्रेस रोड पर अंडरपास को लेकर 18 वें दिन भारतीय किसान यूनियन असली का धरना प्रदर्शन जारी

**संभल/यूपीः–** संभल में भारतीय किसान यूनियन असली का धरना हिसामपुर भटोला के बीच अंडरपास को लेकर 18 वे दिन भी जारी रहा। धरने पर बैठे एक बुजुर्ग किसान गंगा शरण निवासी भटोला की अचानक 09/02/2024 को तबीयत खराब हो गई उन्हें निजी अस्पताल भटोला में भर्ती कराया गया फिर भी संभल प्रशासन शांत है।

प्रशासन की अनदेखी को देखते हुए महासचिव मोहम्मद सुलेमान ने कहा कि जिले का प्रशासन किसानों की परेशानी को मूक होकर देख रहा है।अगर धरने पर किसी भी दुर्घटना होती है तो प्रशासन वह o.p.d के अधिकारी जिम्मेदार होंगे किसानों में रोष है कि धरने पर बैठे लोगों की कोई अनहोनी होती हैं तो प्रशासन के लोग कान खोल कर सुन ले अंडर पास बनवाने की समस्या का समाधान अतिशीघ्र किया जाए अन्यथा की स्थिति में 17.2.2024 को हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य को पूर्ण रूप से बंद कर दिया जाएगा।

जिसके जिम्मेदारी प्रशासन की होगी

आज धरने पर मुख्य रूप से राजपाल सिंह यादव जयवीर सिंह यादव हाजी महबूब चंद्र प्रकाश मोहम्मद दिलशाद जाकर हुसैन मुकेश जाटव गणपत सिंह मोहम्मद राहीद कृपाल सिंह गंगा शरण आदि रहे।

### 57 पत्रावली सुनकर , 12 परिवारों को मिलाया

**कुल 57 पत्रावली सुनकर 25 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया जिनमें 12 परिवारों को मिलाया गया तथा 11 परिवार आवेदक बल न देने अथवा न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण बंद की गई तथा दो पत्रावली में विधिक कार्यवाही की संतुति की गई । इस अवसर पर काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय पूनम अरोरा बबीता शर्मा श्वेता गुप्ता सीमा आर्य तथा उपनिरीक्षक मनोहर सिंह सुशील शर्मा एवं कांस्टेबल नूतन एवं रश्मि आदि लोग उपस्थित रहे।**

**बहजोई/संभलः**– पुलिस लाइन में परिवार परामर्श सुलह पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग आज सुबह 10:30 बजे महिला सेल प्रभारी इंस्पेक्टर पूनम आनंद की देखरेख में पुलिस लाइन मंडी समिति में संपन्न हुई जिसमें पति-पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास काउंसलरो द्वारा किया गया वहीं एक प्रकरण ऐसा आया जिसमें दोनों पक्षों के मध्य समझौता कराया गया एक महिला के पति की मृत्यु हो गई थी जिस कारण वह अपने जेठ के साथ रहने लगी कुछ समय बाद जेठानी और जेठ से मनमुता हुआ तो अपने मायके आ गई आज दोनों को बुलाकर उनके मध्य समझौता कराया गया जेठानी का कहना था कि आज से मेरा पति तेरा है मैं अपने बच्चों के साथ रहूंगी और हम दोनों साथ-साथ रहेंगे इसी कारण दोनों के मध्य समझौता हुआ कुल 57 पत्रावली सुनकर 25 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया जिनमें 12 परिवारों को मिलाया गया तथा 11 परिवार आवेदक बल न देने अथवा न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण बंद की गई तथा दो पत्रावली में विधिक कार्यवाही की संतुति की गई । इस अवसर पर काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय पूनम अरोरा बबीता शर्मा श्वेता गुप्ता सीमा आर्य तथा उपनिरीक्षक मनोहर सिंह सुशील शर्मा एवं कांस्टेबल नूतन एवं रश्मि गलत आदि लोग उपस्थित रहे।समझौता केंद्र की एक मीटिंग आज सुबह 10:30 बजे महिला सेल प्रभारी इंस्पेक्टर पूनम आनंद की देखरेख में पुलिस लाइन मंडी समिति में संपन्न हुई जिसमें पति-पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास काउंसलरो द्वारा किया गया वहीं एक प्रकरण ऐसा आया जिसमें दोनों पक्षों के मध्य समझौता कराया गया एक महिला के पति की मृत्यु हो गई थी जिस कारण वह अपने जेठ के साथ रहने लगी कुछ समय बाद जेठानी और जेठ से मनमुता हुआ तो अपने मायके आ गई आज दोनों को बुलाकर उनके मध्य समझौता कराया गया जेठानी का कहना था कि आज से मेरा पति तेरा है मैं अपने बच्चों के साथ रहूंगी और हम दोनों साथ-साथ रहेंगे इसी कारण दोनों के मध्य समझौता हुआ कुल 57 पत्रावली सुनकर 25 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया जिनमें 12 परिवारों को मिलाया गया तथा 11 परिवार आवेदक बल न देने अथवा न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण बंद की गई तथा दो पत्रावली में विधिक कार्यवाही की संतुति की गई । इस अवसर पर काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय पूनम अरोरा बबीता शर्मा श्वेता गुप्ता सीमा आर्य तथा उपनिरीक्षक मनोहर सिंह सुशील शर्मा एवं कांस्टेबल नूतन एवं रश्मि आदि लोग उपस्थित रहे।

### गंगा में नाव पलटने से डूबे दंपति का नहीं लगा सुराग

**हसनपुर :** रहरा थाना क्षेत्र के एक गांव में गंगा पार नाव से खाद लेकर जा रहे पति-पत्नी की नाव गंगा में पलट गई। जिससे दोनों लापता हो गए। वहीं दूसरे दिन भी उनका कोई सुराग नहीं लग सका। जबकि प्रशासन द्वारा एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ लगातार गंगा में सर्च अभियान में जुटी है। वहीं एसडीएम एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी ने घटनास्थल पर पहुंच कर जानकारी जुटाई है। सर्च अभियान के दौरान गंगा किनारे ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा है। बता दें कि थाना रहरा के जल्होपुर चौकी के गांव नानई निवासी 37 वर्षीय किसान समसुद्दीन पुत्र गफलातून अपनी पत्नी फूल जहां के साथ बुधवार को गंगा पार नाव से कूड़ी का खाद लेकर जा रहे थे। इस दौरान उनकी नाव जैसे ही गंगा की बीच मझधार में पहुंची तो अचानक नाव पलट गई। जिससें दोनों पति-पत्नी गंगा में डूबकर लापता हो गए। वहीं, प्रशासन द्वारा लगातार एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ द्वारा लगातार गंगा में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार को फिर से एसडीएम पुष्कर नाथ चौधरी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत ने घटनास्थल पर पहुंचकर गंगा में चलाए जा रहे सर्च अभियान का जायजा लिया। साथ ही दंपति की तलाश में चलाए जा रहे सर्च अभियान में किसी भी तरह की कोताही नहीं बरतने के निर्देश दिए। वहीं, पुलिस प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए हैं। परिजनों समेत भारी संख्या में ग्रामीण भी गंगा किनारे मौजूद हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत ने बताया कि दंपति की तलाश में लगातार सर्च अभियान जारी है।

### युवाओं ने टेडी बियर देकर किया प्यार का इजहार, बाजारों में भी देखने को मिली रौनक

**मुरादाबाद :** वेलेंटाइन वीक के चौथे दिन शनिवार को टेडी बियर डे मनाया गया। इस दिन को लेकर युवाओं में काफी उत्साह दिखा। युवाओं ने अलग-अलग रंगों के आकर्षक टेडी बियर देकर दिल का हाल बयां किया। महानगर के बाजारों में भी रौनक देखने को मिली। रविवार को प्रेमी अपनी प्रेमिकाओं व अन्य प्रियजनों से प्रॉमिस करके अपने प्यार का वादा करेंगे।इस दिन के लिए युवाओं ने पहले से ही तैयारियां कर ली थीं। दिन भर बाजारों में रौनक दिखी। टेडी बियर को स्वीकार करने वालों के साथ ही उसे देने वालों के चेहरे खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। टेडी बियर डे पर वेव मॉल, पीवीआर समेत अन्य मॉल में युवाओं की ज्यादा भीड़ दिखी।इसके अलावा बाजार गुलजार दिखे। टेडी बियर डे को लेकर युवाओं में गजब का उत्साह दिखा। महानगर के बुधबाजार, टाउनहॉल, कटरा, हरथला आदि बाजारों में टेडी बियर व गिफ्ट आइटम की दुकानों में युवाओं की भीड़ रही। युवाओं ने अपनी पसंद के टेडी बियर खरीदे और अपने साथियों को गिफ्ट किया। बुद्धविहार निवासी रोहित ने बताया कि उनकी प्रेमिका को टेडी बियर बहुत पसंद है। खासकर पांडा, इसलिए उन्होंने पांडा की खरीदारी पहले से ही कर ली थी। उन्होंने अपनी प्रेमिका को जब पांडा दिया तो वह अहसास अलग ही खुशी देने वाले रहा। वहीं दीनदयाल नगर निवासी हिमांशु मिश्रा ने बताया कि आज उनके दो बेटे भी शादी लायक हो गए हैं।

### महिला समृद्धि एवं स्वरोजगार कार्यक्रम का आयोजन

**संभल :** प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक द्वारा आयोजित महिला समृद्धि एवं स्वरोजगार कार्यक्रम का आयोजन।

प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक की शाखा फतेहपुर छीतरा ,क्षेत्रीय कार्यालय अलीपुर चोपला द्वारा ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से समृद्ध बनाने के लिए महिला समृद्धि एवं स्वरोजगार कार्यक्रम का आयोजन ग्राम फतेहपुर छीतरा में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के संयुक्त देयता समूह ( जेएलजी ) का गठन एवं एवं उनका बैंक लिंकेज कराना व ग्रामीण महिलाओं को रोजगार प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संजीव भारद्वाज, अध्यक्ष प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक ने कहा कि महिलाएं हमारे देश की आधी आबादी है इसलिए महिलाओं का विकास ही देश

का विकास है, उन्होंने कहा कि यदि ग्रामीण महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर अपने और अपने परिवारों को समृद्ध बनाएंगी तो देश स्वतः समृद्ध बन जाएगा ,उन्होंने कहा माननीय प्रधानमंत्री जी का डिजिटल भारत उन्नत भारत का जो सपना है उसके लिए हम हर महिला को मोबाइल बैंकिंग से जोड़ेंगे,साथ ही माननीय प्रधानमंत्री जी के 'लखपति दीदी ' आवाहन को भी हम जेएलजी के द्वारा पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक आपकी तरक्की में हमेशा आपके साथ खड़ा है ।क्षेत्रीय प्रबंधक श्री राम अवतार शर्मा ने बताया कि आज के कार्यक्रम में हमने 200 से अधिक जेएलजी का गठन किया है जिसके माध्यम से हम लगभग 1000 महिलाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं ,जबकि मार्च तक हम 1000 जेएलजी का गठन करके 5000 महिलाओं को रोजगार से जोड़ेंगे उन्होंने ,उन्होंने कहा कि हम महिलाओं व उनके परिवारों को प्रधानमंत्री की सुरक्षा बीमा योजनाओं के माध्यम से सुरक्षित करेंगे व नाबार्ड के साथ मिलकर रोड साइड पर चल रहे रेस्टोरेंट व होटल में स्थानीय महिलाओं के आउटलेट खुलवाएंगे जिससे क्षेत्र में रोजगार बढ़ेगा ।नाबार्ड के डीडीएम श्री रजत सहगल ने कहा कि गजरौला में जिस तरह विकास हो रहा है उसमें महिलाओं के पास बहुत अवसर उपलब्ध होंगे,यहां खुल रहे रेस्टोरेंट व होटल्स में दूध दही अचार पापड़ पनीर आटा दाल चावल सब कुछ सप्लाई करने का बड़ा अवसर है ,इसका लाभ क्षेत्र की महिलाओं को उठाना चाहिए। स्पर्श ( एनजीओ )के सीईओ कपिल कौल ने महिलाओं को बेहतर प्रशिक्षण दिलाने एवं उन्हें सक्षम बनाने का आश्वासन दिया।

### मुरादाबाद : जन्मजात नहीं है कुष्ठ रोग, समय से कराएं इलाज

**मुरादाबाद।** प्रभा देवी आदर्श कन्या इंटर कॉलेज में 'स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानाचार्या शशि आर्य ने कहा कि कुष्ठ रोग कुष्ठ रोगी के साथ बैठने से नहीं फैलता है।

बल्कि ऐसा मरीज जिसने कभी इलाज नहीं लिया है उसके श्वास कणों के माध्यम से दूसरे व्यक्ति के शरीर में जाता है। दूसरे व्यक्ति के शरीर में यदि रोग से लड़ने की क्षमता बहुत कम है तब केवल वह रोग दूसरे व्यक्ति के शरीर में फैल सकता है। इसलिए कुष्ठ रोग से घृणा करें कुष्ठ रोगी और उसके परिवार का सम्मान करें। जिससे कुष्ठ रोगियों को मुख्यधारा में लाया जा सके और उन्हें भी समाज में समान सम्मान प्राप्त हो सकेजिला कुष्ठ रोग

परामर्शदाता डा. भास्कर अग्रवाल ने छात्राओं को कुष्ठ रोग के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अगर कुष्ठ रोग जन्मजात रोग नहीं है कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति सामान्य वैवाहिक जीवन व्यतीत कर सकता है। उससे यह रोग उसके बच्चों में जाने की संभावना नहीं है 2 वर्ष तक के बच्चे में इस रोग के होने की संभावना नहीं होती है। अतः जन जागरूकता की आवश्यकता है जिसे छात्राएं आसानी से समाज के बीच पहुंचा सकती हैं। इस अवसर पर अंशु रानी व अन्य शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

# 'राम और राष्ट्र से कोई समझौता नहीं'

## कांग्रेस से निकाले जाने पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

**नई दिल्ली :** कांग्रेस पार्टी ने प्रमोद कृष्णम को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। इसके बाद अब आचार्य प्रमोद कृष्णम की पहली और कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कांग्रेस को दो टूक सुनाते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा, 'राम और राष्ट्र पर समझौता नहीं किया जा सकता है।' इसके लिए साथ ही प्रमोद कृष्णम ने इस पोस्ट में राहुल गांधी को भी टैग किया है। बता दें कि बीते दिनों आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद उन्होंने पीएम मोदी के साथ मीटिंग की तस्वीरों को भी शेयर किया और ट्विटर पर एक पोस्ट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री की खूब तारीफ भी की।

प्रमोद कृष्णम की कांग्रेस को दो टूक इसी कारण कांग्रेस ने प्रमोद कृष्णम को तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए पार्टी से निकाल दिया है। इस बाबत शनिवार को पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आदेश भी जारी किया। बता दें कि आचार्य प्रमोद कृष्णम को अनुशासनहीनता की शिकायतों और पार्टी के खिलाफ बार-बार बयानबाजी करने के आधार पर कार्रवाई करते हुए पार्टी से निकाला गया है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रमोद कृष्णम को पार्टी से बाहर निकालने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बता दें कि पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पीएम मोदी को 19 फरवरी को कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह का भी निमंत्रण भी दिया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने इस बाहत कहा कि आचार्य प्रमोद कृष्णम बहुत दिनों से पूरी कोशिश कर रहे थे कि वह इतना खिलाफ बोले, इतनी गालियां दें कि कांग्रेस पार्टी उनसे पिछा छुड़ा ले। मुझे उम्मीद है कि वह जहां गए हैं और जिस उम्मीद में गए हैं वहां उनकी उम्मीद पूरी नहीं होने वाली है।

# भाभी ने अपने 3 पुरुष मित्रों के साथ देवर का गला घोंटा, मकान हड़पना था मकसद

**पटना :** बिहार की राजधानी पटना के आलमगंज में संपत्ति हड़पने के लिए एक भाभी ने अपने देवर की हत्या कर दी। इस वारदात में भाभी ने अपने पुरुष मित्रों का साथ लिया है। लेकिन कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं। हत्या के 24 घंटे के अंदर ही पुलिस ने हत्यारिन भाभी को उसके तीन मित्रों के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पटना पुलिस ने हत्या की आरोपी महिला के पास से देवर का मोबाइल भी जप्त कर किया है। भाभी ने संपत्ति के लालच में आकर अपने देवर का गला दबाकर खून किया है।

पटना सिटी के अरढ शरथ आरएस ने बताया कि पटना आलमगंज थाने की पुलिस ने बेलवरगंज के नजदीक से शुक्रवार 9 फरवरी को एक युवक का शव बरामद किया था। युवक का गला दबाकर हत्या के बाद उसके शव को फेंक दिया गया था। युवक की पहचान नहीं हो पाई थी। पुलिस के लिए युवक की हत्या का केस ब्लाइंड केस था। लेकिन पुलिस ने जब मामले की छानबीन शुरू की तो मोबाइल की लोकेशन के आधार पर जब पुलिस ने उसकी तहकीकात की तो युवक का हत्यारा कोई और नहीं बल्कि उसकी अपनी भाभी ही निकली।

पुलिस ने बताया कि सनी कुमार और अविनाश कुमार दो भाई हैं, जो पटना के मालसलामी थाना इलाके में रहते थे। उनका एक ही मकान है। उस मकान पर सनी की भाभी, रानी कुमारी की नजर टिकी हुई थी। रानी कुमारी उस मकान को हड़पना चाहती थी। इसी नियत से रानी कुमारी ने अपने तीन पुरुष मित्रों के साथ मिलकर देवर सनी कुमार की गला दबाकर हत्या कर डाली। हत्या के बाद उसके शव को बेलवरगंज में फेंक दिया था। जिसे पुलिस ने शुक्रवार को बरामद किया था।

# यूपी की सरकारी बसों में फ्री यात्रा करेंगी वरिष्ठ महिलाएं : परिवहन मंत्री

**लखनऊ** यूपी में भी वरिष्ठ महिलाओं को मुफ्त में सरकारी बसों में यात्रा करने की सुविधा दी जा सकती है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार विचार कर रही है। ऐसा कहना है यूपी सरकार में परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह का। दरअसल, विधानसभा में समाजवादी पार्टी के नेता समरपाल सिंह के एक सवाल का जवाब देते हुए दयाशंकर सिंह ने इस बारे में जानकारी दी है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की सरकार इस मामले को लेकर विचार कर रही है। उनका कहना है कि रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं को दो-दो दिन तक निशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाती है।

बता दें कि उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने विधानसभा में वरिष्ठ महिलाओं की यात्रा को लेकर एक सवाल का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश की 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम की साधारण बसों में निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान किये जाने पर विचार किया जा रहा है। दरअसल, शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान समाजवादी पार्टी के समरपाल सिंह के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने यह बात कही।

समरपाल सिंह के पूरक प्रश्नों का जवाब देते हुए परिवहन मंत्री ने कहा कि "2022 के विधानसभा चुनाव में 60 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को निःशुल्क यात्रा का संकल्प लिया गया था और उसके लिए बजट में प्रावधान किया गया है और प्रक्रिया चल रही है।

# प्राइवेट बैंक में हुआ 2.5 करोड़ रुपये का बड़ा गबन, मैनेजर समेत 2 लोग गिरफ्तार

**जयपुरः** राजस्थान पुलिस ने प्रतापगढ़ जिले में एक प्राइवेट बैंक में लगभग 2.50 करोड़ रुपये के घोटाले का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले में बैंक के मैनेजर सहित 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। उसने बताया कि इस केस में 46 लाख रुपये कैश भी जब्त किया गया है। प्रतापगढ़ के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने एक बयान में बताया, 'धरियावद में कछकछकबैंक में हुए लगभग 2.50 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले का पर्दाफाश कर बैंक मैनेजर 32 साल के प्रशांत काबरा और उदयपुर के हिस्ट्रीशीटर रहे 72 वर्षीय आरोपी जालम चन्द जैन को गिरफ्तार किया गया।'

> पुलिस ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले में बैंक के मैनेजर सहित 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। उसने बताया कि इस केस में 46 लाख रुपये कैश भी जब्त किया गया है। प्रतापगढ़ के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने एक बयान में बताया, 'धरियावद में कछकछकबैंक में हुए लगभग 2 .50 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले का पर्दाफाश कर बैंक मैनेजर 32 साल के प्रशांत काबरा और उदयपुर के हिस्ट्रीशीटर रहे 72 वर्षीय आरोपी जालम चन्द जैन को गिरफ्तार किया गया।'

**4 फरवरी को हुआ मामले का खुलासा :** अधिकारी केस के बारे मेंऔर जानकारी देते हुए बताया कि गबन की राशि से आरोपी हिस्ट्रीशीटर ने उदयपुर-नाथद्वारा रोड पर एक 'फार्म हाउस' खरीदा। उन्होंने बताया कि मामला उस समय सामने आया जब बैंक के एक ग्राहक के खाते से 4 फरवरी को 32 लाख रुपये निकाल लिये गये। अधिकारी के मुताबिक, बाद में जब बैंक के अन्य ग्राहकों के खातों की जांच की गई तो गबन की जानकारी हुई। उन्होंने बताया कि मामला सामने आने के बाद बैंक अधिकारियों ने 6 फरवरी को बैंक के मैनेजर प्रशांत काबरा के खिलाफ थाना धरियावद में मुकदमा दर्ज कराया।

**हेराफेरी को यूं दिया जाता था अंजामः** पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि जांच में पाया गया कि विभिन्न खाता धारक जब बैंक में ाऊऔर डउउ करवाते थे तो आरोपी उन खातों पर 'ओवरड्राफ्ट लिमिट' बनाकर राशि को अपनी पत्नी दीपिका काबरा व जालम चंद जैन, उसकी पत्नी मन्जुला जैन, पुत्र राकेश जैन व उसकी फर्म पूजा कंस्ट्रक्शन के खातों में जमा कर गबन किया करता था। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के दौरान कुल 62 बैंक खातों को फ्रीज कर 62.71 लाख रुपये की राशि को होल्ड किया गया और आरोपी की निशानदेही से कुल 46 लाख रुपये जब्त किये गये।

# आगरा में एक ही घर से मिले बाप-बेटे और दादी के शव

**आगरा :** आगरा से एक दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां थाना न्यू आगरा के लायर्स कॉलोनी में एक ही परिवार के तीन शव मिले हैं। ये खबर इलाके में आग की तरह फैली तो हड़कंप मच गया। पुलिस के मुताबिक तरुण चौहान नाम के व्यक्ति के घर आज सुबह जब नौकरानी पहुंची तो उसने देखा कि तरुण चौहान का शव फंदे से लटका हुआ है और उनकी मां और 12 साल के बेटे के शव बेड पर पड़े हुए हैं। नौकरानी ने तुरंत इसकी सूचना पड़ोसी और पुलिस को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तरुण चौहान के शव को फंदे से उतरा।

इस सनसनीखेज घटना की सूचना तरुण चौहान की पत्नी और रिश्तेदारों को दी गई है। पुलिस उपायुक्त सूरज राय के मुताबिक तरुण चौहान की पत्नी खाटू श्याम दर्शन के लिए गई हुई थी। आज सुबह जब नौकरानी घर पहुंची तो उसने देखा की तरुण चौहान का शव फंदे से लटका हुआ है। उनकी मां और 12 साल के बेटे का शव बेड पर पड़ा हुआ है। पुलिस उपायुक्त सूरज राय के मुताबिक प्रथम दृष्टया मां और बेटे को पहले प्वाइजन दिया गया है और उसके बाद संभवत है तरुण चौहान ने आत्महत्या की है। पुलिस ने बताया कि फील्ड यूनिट मौके पर सबूत इकट्ठे कर रही है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। तरुण चौहान की पत्नी को सूचना दी गई है। मृतकों के शव का पंचनामा भरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।वहीं इस घटना से तीन पहले आगरा में मंटोला थाना क्षेत्र के ढोलीखार में विवाद होने पर पति ने पत्नी को कथित तौर पर तीसरी मंजिल की छत से नीचे फेंक दिया, जिससे वह घायल हो गयी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पति सहित ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने पीड़िता के पिता मुंडापाड़ा निवासी हाजी इलियास के हवाले से बताया कि उन्होंने करीब तीन साल पहले बेटी का निकाह ढोलीखार निवासी मौहम्मद सैफ के साथ किया था।

# साथी के अंतिम संस्कार में शामिल होने श्मशान घाट पहुंचे रेलवे कर्मचारी, रद्द करनी पड़ी 147 ट्रेनें



**मुंबईः** भारतीय रेलवे को देश की लाइफ लाइन कहा जाता है। लाखों लोग रेलवे की मदद से अपनी मंजिल तक पहुंचते हैं। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के लिए तो रेलवे किसी जीवनदायक से कम नहीं है। यहां की लोकल ट्रेन का सफ़र तो विश्वप्रसिद्ध है। अक्सर लोकल ट्रेन यात्रा के फोटो और वीडियो वायरल होते रहते हैं। कहा जाता है कि अगर यहां एक भी दिन लोकल ट्रेन बंद कर दी जाएं तो पूरा मुंबई थम जाएगा।

**लोकल ट्रेनों समेत कई गाड़ियां रद्द करनी पड़ीं:** शनिवार को कुछ ऐसा ही हुआ। रेलवे को कई लोकल ट्रेनों समेत कई गाड़ियां रद्द करनी पड़ीं। इसके साथ ही कई ट्रेनें अपने तय समय से काफी देर से चलीं। इसके पीछे केवल एक ही कारण था। दरअसल शनिवार को रेलवे के तमाम कर्मचारी अपने एक साथी कर्मी की अंतिम यात्रा में शामिल होने चले गए। इस वजह से मुंबई में ट्रेनों के पहिये थम गए। जानकारी के अनुसार, शनिवार को कई मोटरमैन अपने सहकर्मी की अंतिम संस्कार में शामिल होने श्मशान घाट गए थे, जिसकी वजह से भायखला और सैंडहर्स्ट स्टेशन के बीच सेवाएं प्रभावित होने लगीं। इस वजह से हजारों यात्री सीएसएमटी समेत कई स्टेशनों पर फंस गए। यात्रियों ने जब ट्रेनों के ना चलने के पीछे की वजह पूछी तो अधिकारियों ने बताया कि कई मोटरमैन कल्याण में अपने सहयोगी के अंतिम संस्कार में गए हुए हैं।

रेलवे अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को बायकुला और सैंडहर्स्ट स्टेशन के बीच पटरी पार करते समय मोटरमैन मुरलीधर शर्मा की मौत हो गई थी। इन्हीं मृतक के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए कई अन्य कर्मचारी श्मशान घाट गए थे। उन्होंने बताया कि अंतिम संस्कार दोपहर में होना तह लेकिन इसमें देरी हो गई और यह शाम को हुआ। इसी वजह कर्मचारियों के ड्यूटी पर पहुंचने में देरी हो गई।

# मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में हो रहे फर्जीवाड़े से सतर्क हुई योगी सरकार



**लखनऊः** उत्तर प्रदेश सरकार की बहुचर्चित योजना पिछले कुछ समय से सुर्खियों में बनी हुई है। इसमें कई तरह के फर्जीवाड़े की ख़बरें सामने आ रही थीं। वहीं बलिया जिले में इस योजना के एक कांड ने तो कई तरह के सवाल खड़े कर दिए थे। इस कांड में प्रशासन से लेकर सरकार की जमकर किरकिरी हुई थी। इसके बाद प्रदेश सरकार ने योजना में बड़े बदलाव किए हैं। इन बदलावों के तहत प्रदेश में 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' के अंतर्गत होने वाले किसी भी आयोजन में अब 100 से अधिक शादियां नहीं हो सकेंगी।

उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने बताया कि हर विवाह का पंजीकरण अब कार्यक्रम स्थल पर ही किया जाएगा और फोटो युक्त विवाह प्रमाणपत्र भी तुरंत जारी किया जाएगा। राज्य सरकार ने ये कदम बलिया जिले में एक सामूहिक विवाह समारोह में हुई धोखाधड़ी के हालिया मामले के मद्देनजर उठाए हैं, जहां 240 अपात्र लोगों ने 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' का लाभ प्राप्त करने के लिए अपना पंजीकरण कराया था। आरोप है कि इस कार्यक्रम के दौरान पहले से शादीशुदा लोगों की दोबारा शादी कराई गई थी।

पुलिस ने इस मामले में समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों सहित 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने बताया कि अब सामान्य सामूहिक विवाह कार्यक्रमों में 100 से अधिक विवाह नहीं कराए जाएंगे। अगर किसी ऐसे कार्यक्रम में कोई मंत्री या कोई अन्य विशिष्ट अतिथि आ रहा हो और उस कार्यक्रम में जिलाधिकारी स्वयं मौजूद हों तो 100 से अधिक विवाह कराने की अनुमति प्रदान की जाएगी।" उन्होंने कहा, ''इसके अलावा हर शादी का पंजीकरण अब कार्यक्रम स्थल पर ही किया जायेगा और विवाह प्रमाणपत्र भी तुरंत जारी होगा। दूल्हा-दुल्हन की तस्वीर खींची जाएगी, सभी रस्म और संस्कार पूरे होने के बाद विवाह को कम्प्यूटर पर दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक नवविवाहित जोड़ों के विवरण को डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) और आधार कार्ड से जोड़ा जायेगा।" उन्होंने बताया कि सामूहिक विवाह में गड़बड़ियों को रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर ग्राम सचिव और लेखपाल को यह पता लगाने की जिम्मेदारी दी जाएगी कि इन कार्यक्रमों में शादी करने वाला युवक या युवती पहले से विवाहित तो नहीं है। समाज कल्याण मंत्री अरुण ने कहा कि मौजूदा नियमावली के अनुसार सत्यापन की जिम्मेदारी खंड स्तर के अधिकारियों की है। उन्होंने कहा, ''प्रदेश सरकार खंड स्तर से सत्यापन के बाद उनमें से एक निश्चित प्रतिशत मामलों का जिलाधिकारी कार्यालय और उप निदेशक समाज कल्याण से फिर से सत्यापन कराने पर भी विचार कर रही है।'' इस कांड में प्रशासन से लेकर सरकार की जमकर किरकिरी हुई थी। इसके बाद प्रदेश सरकार ने योजना में बड़े बदलाव किए हैं। इन बदलावों के तहत प्रदेश में 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' के अंतर्गत होने वाले किसी भी आयोजन में अब 100 से अधिक शादियां नहीं हो सकेंगी।

## संक्षेप खबरें

### पद्मश्री पुरस्कार पाने से पहले ही पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग का निधन



**जयपुरः** सरकार द्वारा 26 जनवरी की पूर्व संध्या पर घोषित पद्मश्री पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में शामिल ध्रुपदाचार्य पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग का शनिवार सुबह 9 बजे निधन हो गया। पंडित तैलंग ने 93 वर्ष की उम्र में राजस्थान के जयपुर के दुर्लभजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। पिछले कुछ दिनों से उनका निमोनिया और अन्य बीमारियों का इलाज चल रहा था।

पंडित तैलंग की बेटी और राजस्थान की मशहूर ध्रुपद गायिका प्रोफेसर मधु भट्ट तैलंग के मुताबिक, "पिछले कुछ दिनों से पंडितजी की तबीयत खराब होने के कारण उन्हें दुर्लभजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान शनिवार सुबह 9 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

पिछले दिनों 26 जनवरी 2024 की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार ने पद्मश्री पुरस्कारों की घोषणा की थी। राजस्थान की चार हस्तियों के नाम भी पद्म पुरस्कारों में शामिल थे जिनमें एक नाम जयपुर के ध्रुवपद गायक पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग का भी था। ध्रुवपदाचार्य पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग का नाम पद्मश्री पुरस्कार के लिए चयनित किया गया था। आगामी दिनों में उन्हें पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाना था लेकिन यह पुरस्कार पाने से पहले ही उनका निधन हो गया।

### परीक्षा देने गई 11वी की छात्रा, 24 घंटे बाद आम के बाग में मिली लाश

उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के खरगवार गांव की रहने वाली एक छात्रा का आम के बाग में शव मिला। छात्रा की लाश मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। 11वीं कक्षा की छात्रा स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। छात्रा का शव 24 घंटे बाद शनिवार की सुबह आम के बाग में मिला। छात्रा को जहर दिए जाने का भी पुलिस को शक है।

छात्रा की मां माधुरी देवी की शिकायत के मुताबिक, उनकी 17 वर्षीय बेटी संध्या शोहरतगढ़ के एक इंटर कॉलेज में 11वीं कक्षा की छात्रा थी। उन्होंने शिकायत में बताया कि शुक्रवार को संध्या कॉलेज में वार्षिक परीक्षा देने के लिए सुबह 8:00 बजे घर से निकली थी। उन्होंने कहा कि संध्या ने परीक्षा दी और 12:00 बजे कॉलेज छोड़ दिया, लेकिन वह शाम तक घर नहीं लौटी। संध्या के नहीं आने से चिंतित उसकी मां माधुरी देवी ने उसकी तलाश शुरू की और पुलिस को सूचित किया।

इस बीच, शाम तक बेटी के घर नहीं लौटने की सूचना पाकर मुंबई जा रहे संध्या के पिता प्रहलाद बीच रास्ते से ही लौट आए। प्रहलाद शुक्रवार सुबह मुंबई जाने के लिए घर से निकले थे। पुलिस ने बताया कि आशंका जताई जा रही है कि प्रेम प्रसंग में जहर देकर उसकी हत्या की गई है।

### पैसे के लिए दबाव बनाती थी पत्नी, ससुराल वालों ने पीटा, तंग आकर शख्स ने दी जान

**पीलीभीत :** उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के सुनगढ़ी थाना इलाके में शनिवार को एक युवक ने अपनी पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर कथित तौर पर जहर खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिला अस्पताल से रेफर किए जाने के बाद उसे इलाज के लिए बरेली ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस क्षेत्रा ?धिकारी (नगर) दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि जहर खाने के बाद 26 वर्षीय युवक प्रदीप का जिला अस्?पताल में प्राथमिक इलाज किया गया और उसे बरेली स्थित अस्पताल में भर्ती कराने के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्तें में ही उसकी मौत हो गई।

**एसपी को दी जहर खाने की जानकारी :** चतुर्वेदी ने कहा कि बरेली में ही शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और परिवार से तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्?होंने दावा किया कि जहर एसपी आवास के बाहर नहीं खाया गया है। इसके पहले पुलिस अधीक्षक (एसपी) अतुल शर्मा ने बताया था, ₹सुनगढ़ी थाना क्षेत्र निवासी प्रदीप ने जहर खा लिया। शनिवार को उसने उनके बंगले पर खुद आकर जहर खाने की सूचना दी थी और उसे कर्मचारियों की ओर से अस्पताल ले जाया गया। मामले की जांच की जा रही है।

**जहर खाकर एसपी आवास के बाहर आया :** पुलिस ने बताया कि कानूनी कार्रवाई के लिए तहरीर मांगी गई है। सुनगढ़ी कोतवाली पुलिस ने कहा कि युवक पहले कहीं और से ही जहर खाकर एसपी आवास के बाहर आया था और उसे बेसुध देख अस्पताल भिजवाया गया। एसपी अतुल शर्मा ने भी आवास या आवास के बाहर जहर खाने की बात को गलत बताया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रदीप ने करीब दो महीने पहले ईशा नाम की लड़की से शादी की थी और पत्नी कथित तौर पर उससे पांच लाख रुपये की मांग कर रही थी। प्रदीप के परिजन का आरोप है कि ईशा ने कुछ दिन पहले सुनगढ़ी थाने में प्रदीप के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत भी दर्ज कराई थी। परिवार के सदस्यों ने दावा किया कि पीड़ित पति ने बताया कि उसकी पत्नी ने दबाव बनाने के लिए थाना सुनगढ़ी पुलिस में शिकायत पत्र दिया, जिसके आधार पर पुलिस ने पति को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

### कर्ज से बचने औरॅा को पाने के लिए ड्राइवर को मार डाला, फिर खुद की दिखा दी हत्या...

सुल्तानपुर के 'विक्रांत वर्मा' ब्लाइंड मर्डर केस से कोतवाली देहात पुलिस और क्राइम ब्रांच ने सनसनीखेज खुलास किया है। 9 लाख रुपये कर्ज से बचने और प्रेमिका को पाने के लिए उसने सीएचसी में तैनात चालक की हत्या कर उसकी लाश को जला डाला था। इसे उसने स्वयं की हत्या को दर्शाया और फिर फरार हो गया। लेकिन 25वें दिन पुलिस ने उसे खोज निकाला और अब पुलिस उसे जेल भेजने की कार्रवाई में जुटी है।ाीओ लम्भुआ अब्दुस सलाम ने जानकारी देते हुए बताया कि कोतवाली देहात के दुबेपुर में 16 जनवरी को फार्म हाउस के पास पूर्णतया जली हुई तथाकथित मृतक विक्रांत वर्मा की लाश मिली थी। इस संबंध में एसपी के आदेश पर हत्या का केस दर्ज हुआ था।

आवश्कता, नाम परिवर्तन, खोया-पाया, सार्वजनिक सूचना विज्ञापन कम दरों में

सब का सपना क्लासीफाइड के साथ लाखों तक पहुँचाइये अपनी बात

अपना विज्ञापन बुक करवाने के लिये संपर्क करें -94568843327

# 22 जनवरी को बताया ऐतिहासिक दिन :अमित शाह

**नई दिल्ली** : लोकसभा में गरजे अमित शाह, राम मंदिर पर और क्या बोले गृहमंत्री शनिवार को राम मंदिर पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव लाया गया। इस दौरान अमित शाह ने सदन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी का दिन महान भारत की यात्रा की शुरुआत का दिन है। ये दिन मां भारती विश्व गुरु के मार्ग पर ले जाने को प्रशस्त करने वाला दिन है।

शनिवार को राम मंदिर पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव लाया गया। इस दौरान अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले देश में उअअ का नोटिफिकेशन जारी होगा। उन्होंने कहा कि मैं साफ कर देना चाहता हूं कि इससे किसी भी व्यक्ति की नागरिकता नहीं छीनी जाएगी। इसका उद्देश्य केवल धार्मिक उत्पीड़न का सामना कर रहे पाकिस्तानी, अफगानिस्तानी और बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों को नागरिकता देना है। राम मंदिर पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान उन्होंने कहा कि 22 जनवरी आने वाले वर्षों के लिए ऐतिहासिक दिन होगा। यह वह दिन था, जिसने सभी रामभक्तों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा किया। 'श्रीराम को नकारने की सजा आज कांग्रेस पार्टी भुगत रही', राम मंदिर पर चर्चा के दौरान बोले बीजेपी सांसद सत्यपाल सिंहगृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ₹22 जनवरी का दिन महान भारत की यात्रा की शुरुआत का दिन है। ये दिन मां भारती विश्व गुरु के मार्ग पर ले जाने को प्रशस्त करने वाला दिन है। इस देश की कल्पना राम और रामचरितमानस के बिना नहीं की जा सकती। राम का चरित्र और राम इस देश के जनमानस का प्राण है। उन्होंने कहा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व पीएम नरेंद्र मोदी ने हर नियम का पालन किया। 11 दिन तक प्रधानमंत्री शय्या पर नहीं सोए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन से अनभिज्ञ होकर कोई भी इस देश के इतिहास को पढ़ ही नहीं सकता।

अमित शाह ने कहा कि 1528 से हर पीढ़ी ने इस आंदोलन को किसी न किसी रूप में देखा है। ये मामला लंबे समय तक अटका रहा, भटका रहा। मोदी जी के समय में ही इस स्वप्न को सिद्ध होना था और आज देश ये सिद्ध होता देख रहा है। पीएम मोदी जनता के प्रतिनिधि हैं। ऐसे में रामजन्मभूमि न्यास ने उन्हें आमंत्रित किया शिलान्यास के लिए। ऐसे में पीएम मोदी के आचरण को देखना चाहिए। पीएम मोदी का आचरण दुनिया के लोगों को प्रेरणा देगा। मोदी जी को जब मौका मिला तो उन्होंने रामनंदी समुदाय और वैष्णव संप्रदाय के लोगों से पूछा।

11 दिनों तक केवल पीएम मोदी ने नारियल पानी के साथ उपवास किया। 11 दिन पूरे समय राममय और रामभक्ति में बसे रहना। पीएम मोदी ने इन सभी नियमों का पालन किया।

## नया भारत बनाने के लिए यह समय हमारे लिए अनुकूल : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

**नई दिल्ली:** लोकसभा चुनाव नजदीक हैं और देश में राजनीतिक हलचल बढ़ चुकी है। नेताओं की जनसभाएं और रैलियां भी शुरू हो जाएंगी। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि देश को एक नई राह पर ले जाया जाए। उन्होंने कहा कि 'नया भारत' बनाने के लिए समय अनुकूल है। परिस्तिथियां और कई कारक हमारे पक्ष में हैं।

प्रधानमंत्री ने ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट में कहा कि इस साल पेश किया गया सरकार का अंतरिम बजट इसी दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को स्थिरता और निरंतरता मिलेगी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं गारंटी देता हूं कि उनकी सरकार के तीसरे कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। वहीं संसद पेश किए गए श्वेत पत्र पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसमें पिछली सरकार के तहत आर्थिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया था। इसमें बताया गया है कि हमें कैसी अर्थव्यवस्था मिली थी और आज हमने काम करके उस अर्थव्यवस्था को कितना मजबूत कर दिया है।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले सरकारें राजनीतिक हितों को साधने के लिए काम करती थीं, वहीं हमारी सरकार ने राष्ट्रीय हित सर्वोच्च रखकर काम किया। पीएम मोदी ने कहा कि जब मैं 2014 में प्रधानमंत्री बना और मैंने अर्थव्यवस्था का हाल देखा तो हैरान था। अर्थव्यवस्था खस्ताहाल थी। वैश्विक निवेशकों में निराशा थी। अगर मैंने यह डेटा तब जारी किया होता, तो इससे गलत संकेत जा सकता था। यह मेरे लिए राजनीतिक रूप से अनुकूल होता, लेकिन राष्ट्रीय हित ने मुझे ऐसा करने की अनुमति नहीं दी।

## मेरे साथ एक अपराधी की तरह व्यवहार कर रही केंद्र सरकार : केजरीवाल

**खडूर:** पंजाब के खडूर साहिब संसदीय क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं एक आतंकवादी हूं।' दरअसल केजरीवाल ने सीबीआई समन, ईडी नोटिस और पुलिस नोटिस को लेकर ये बात कही है। उन्होंने कहा कि वे हर दिन मेरे खिलाफ नए आरोप लगाते हैं। कभी सीबीआई समन, कभी एऊ नोटिस, कभी पुलिस नोटिस भेजते हैं। ऐसे में मुझे लगता है कि जैसे देश का सबसे बड़ा आतंकवादी मैं ही हूं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मेरे साथ एक अपराधी की तरह व्यवहार कर रही है। वह मुझे झूठे आरोप लगाकर गिरफ्तार करवाना चाहती है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां बीजेपी के इशारे पर काम कर रही हैं और वह मुझे जेल में डालना चाहती हैं।दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि ये लोग मुझे गिरफ्तार करके जेल भेजना चाहते हैं, जिससे मैं आगामी लोकसभा चुनावों में पार्टी के लिए प्रचार ना कर सकूं। इनके पास मेरे खिलाफ किसी भी मामले में कोई सबूत नहीं है, इसके बावजूद एऊमुझे नोटिस पर नोटिस भेजकर परेशान कर रही है। ये लोग सोच रहे हैं कि मैं ऐसे झूठे नोटिसों से डर जाऊंगा तो यह गलत सोच रहे हैं।

## चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न के ऐलान पर गद-गद हुए जयंत

**नई दिल्ली:** देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को मोदी सरकार ने भारत रत्न देने का ऐलान कर दिया है। ये खबर आए चंद मिनट ही हुए थे कि पीएम मोदी की पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए फ्छऊके अध्यक्ष जयंत सिंह चौधरी ने लिखा, ₹दिल जीत लिया !₹ जयंत चौधरी के इस ट्वीट से ये साफ है कि मोदी सरकार के इस फैसले पर वह बेहद खुश हैं। इससे पहले खबर आई थी कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अच्छा खासा प्रभाव रखने वाले जयंत चौधरी की पार्टी आरएलडी अब एनडीए में शामिल हो रहे हैं।

बता दें कि आज प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और एमएस स्वामीनाथन के अलावा पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का ऐलान किया है। पीएम मोदी ने अपने एक्स पोस्ट पर लिखा है, ₹हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है। उन्होंने किसानों के अधिकार और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हों या देश के गृहमंत्री और यहां तक कि एक विधायक के रूप में भी, उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण को गति प्रदान की। वे आपातकाल के विरोध में भी डटकर खड़े रहे। हमारे किसान भाई-बहनों के लिए उनका समर्पण भाव और इमरजेंसी के दौरान लोकतंत्र के लिए उनकी प्रतिबद्धता पूरे देश को प्रेरित करने वाली है।हिस्सा बनने जा रहे हैं जयंत बता दें कि इंडी अलायंस को झटके पर झटके लग रहे हैं। ये अब लगभग तय हो चुका है कि यूपी में जयंत चौधरी ठऊअ का हिस्सा बनने जा रहे हैं। बीजेपी और फ्छऊके बीच सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय हो गया है और फ्छऊको लोकसभा चुनाव में 2 सीटें बीजेपी देगी। बागपत और बिजनौर की सीट फ्छऊ को इस लोकसभा चुनाव में बीजेपी देगी। इसके अलावा एक राज्यसभा की सीट भी फ्छऊ को मिलेगी। ये भी बताया जा रहा है कि फ्छऊका एक टछउ भी बनाया जाएगा। यानी कि केंद्र और राज्य सरकार में आरएलडी को जगह मिलेगी।

## 'दुर्व्यवहार को लेकर दुखी हूं', राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के बाद बोले जयंत चौधरी

**नई दिल्ली:** राज्यसभा में उस वक्त हंगामा देखने को मिला जब राष्ट्रीय लोकदल के नेता जयंत चौधरी अपने दादा और देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न सम्मान दिए जाने के सरकार के फैसले पर बोल रहे थे। अपने भाषण के दौरान जयंत चौधरी ने कहा कि एक जमीनी सरकार, जो जमीन की आवाज को समझती है और बुलंद करना चाहती है, ऐसी ही सरकार धरतीपुत्र चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न दे सकती है। जयंत के भाषण के बीच ही विपक्ष ने हंगामा करना शुरू कर दिया।

इससे पहले राज्यसभा में बोलते हुए जयंत चौधरी ने कहा, 'देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न देने का फैसला किया। यह एक बहुत बड़ा फैसला है। कल देश के हर कोने में इस निर्णय की गूंज पहुंची है और गांव-गांव में दिवाली मनाई गई।' जयंत के भाषण के बीच विपक्ष के कुछ सदस्यों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। थोड़े-बहुत हंगामे के बाद जब जयंत को बोलने का मौका मिला तो उन्होंने कहा, 'मैं सांसदों द्वारा सदन की कार्रवाई के दौरान हुए दुर्व्यवहार को लेकर दुखी हूं।'

जयंत चौधरी ने मोदी सरकार की सराहना करते हुए कहा, '10 साल मैं विपक्ष में रहा हूं। कुछ ही देर मैं सदन में इस तरफ (सत्ता पक्ष की तरफ) बैठा हूं। मैंने देखा है कि पिछले 10 साल में इस सरकार (मोदी सरकार) की कार्यशैली में भी चौधरी चरण सिंह की झलक है। जब प्रधानमंत्री ग्रामीण क्षेत्रों में शौच की दुर्व्यवस्था पर प्रकाश डालते हैं, जब वह महिला सशक्तिकरण पर भारत सरकार गांव-गांव में जागरूकता फैलाती है, तो मुझे उसमें चौधरी चरण सिंह जी की बोली याद आती है।'

## संक्षेप खबरें

### फिर साथ दिखेगी भाजपा-अकाली दल की जोड़ी ! जल्द हो सकता है गठबंधन पर फैसला

**नई दिल्ली :** लोकसभा चुनाव 2024 से पहले पंजाब की राजनीति में बड़ा फेरबदल सामने आ सकता है। माना जा रहा है कि अकाली दल की एक बार फिर से एनडीए में वापसी हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, अकाली दल और भाजपा के नेताओं के बीच गठबंधन और लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर बातचीत चल रही है। बता दें कि देश में अप्रैल-मई महीने के बीच लोकसभा चुनाव का आयोजन किया जा सकता है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, लोकसभा चुनाव में भाजपा पंजाब में ज्यादा सीटें चाहती है। दोनों पार्टियों के बीच पहले के फॉर्मूले पर बातचीत नहीं हो रही है। नए फॉर्मूले के तहत बीजेपी लोकसभा में ज्यादा सीट चाहती है। अगर दोनों दलों के बीच सीट शेयरिंग की बातचीत बन जाती है तो जल्द ही पार्टी नेताओं द्वारा गठबंधन को लेकर आधिकारिक ऐलान कर दिया जाएगा। पंजाब में प्रभावी सर्व शिरोमणि अकाली दल 1997 से लेकर सितंबर 2020 तक भाजपा की पुरानी सहयोगी पार्टी रही है। हालांकि, साल 2020 में तीन कृषि कानूनों के विरोध में हरसिमरत कौर बादल ने केंद्र सरकार के मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके कुछ दिनों बाद ही दोनों पार्टियों के रास्ते अलग हो गए थे। बाद में कृषि कानूनों को वापस ले लिया गया। दोनों दलों ने पंजाब विधानसभा चुनाव भी अलग-अलग ही लड़ा था।

### हरियाणा में भाजपा-जजपा साथ लड़ेंगे चुनाव, दुष्यंत चौटाला ने अफवाहों का किया खंडन

**कोलकाता :** लोकसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे सियासी गलियारों में हलचल तेज हो रही है। कभी कोई इंडी गठबंधन से अलग हो रहा है तो कभी कोई एनडीए गठबंधन से। कई बार केवल अफवाह ही राजनीतिक गलियारों में सुनाई पड़ रहे हैं। इस बीच हरियाणा के डिप्टी सीएम और जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के नेता दुष्यंत चौटाला ने हरियाणा में भाजपा संग गठबंधन से अलग होने या भाजपा के सभी 10 लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की खबरों का खंडन किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोकसभा चुनाव में भाजपा और जजपा का हरियाणा में गठबंधन जारी रहेगा।दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हमने हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीटों पर लोकसभा प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं। उन्हें को-ऑर्डिनेशन के लिए जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि हमने हरियाणा में पूरे को-ऑर्डिनेशन के साथ सरकार को चलाया भी है और गठबंधन को निभाया भी है। एनडीए के सीट बंटवारे और गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि हरियाणा के सभी 10 लोकसभा सीटों पर प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त कर दिए गए हैं, जिन्हें कोऑर्डिनेशन की जिम्मेदारी दी गई है।

### गठबंधन की अटकलों के बीच पीएम मोदी से मिले सीएम जगन रेड्डी

**नई दिल्ली:** लोकसभा चुनाव 2024 से पहले भाजपा, कांग्रेस समेत सभी दल अपनी-अपनी राजनीतिक तैयारियां करने में जुटे हुए हैं। खास बात ये है कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का कुनबा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच संभावना जताई जा रही है कि आंध्र प्रदेश में भाजपा, पवन कल्याण की पार्टी जन सेना और चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी एक साथ मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं। बता दें कि टीडीपी पहले भी एनडीए का हिस्सा रह चुकी है। इन सब संभावनाओं के बीच शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के सीएम और रफ्छढ के अध्यक्ष जगनमोहन रेड्डी ने पीएम मोदी से मुलाकात की है। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने जानकारी दी है कि जगन मोहन रेड्डी ने शुक्रवार को संसद परिसर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राज्य को विशेष दर्जा देने की मांग की है। विशेष श्रेणी का दर्जा आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के प्रावधानों में से एक है, जिसके जरिये जून 2014 में अलग तेलंगाना राज्य का गठन किया गया था।

# उत्तराखंड विधानसभा में ध्वनि मत से पास हुआ UCC विधेयक

लंबी चर्चा के बाद उत्तराखंड विधानसभा में समान नागरिक संहिता यानी कि वउउ विधेयक को पास कर दिया गया है। विधानसभा में ध्वनि मत के माध्यम से इस विधेयक को पास किया गया है। विधेयक के पास होते ही विधानसभा में विधानसभा में जय श्रीराम और वंदे मातरम के नारे लगे। विधेयक पास होने के बाद अब जल्द ही कानून में बदल जाएगा। राज्य के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को विधानसभा के विशेष सत्र में विस्तार से इस वउउ विधेयक पर जानकारी साझा की है। आइए जानते हैं कि उन्होंने यूसीसी के बारे में क्या कुछ कहा है। राज्य के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ये कोई सामान्य विधेयक नहीं है, भारत बड़ा देश है लेकिन देश को दिशा देने का ये अवसर देवभूमि को मिला है। उन्होंने कहा कि वउउ के इस विधेयक में समान नागरिक संहिता के अंतर्गत जाति, धर्म, क्षेत्र व लिंग के आधार पर भेद करने वाले व्यक्तिगत नागरिक मामलों से संबंधित सभी कानूनों में एकरूपता लाने का प्रयास किया गया है। सीएम ने कहा कि विपक्ष के लोग कह रहे है कि हमे यूसीसी ड्राफ्ट की जानकारी नहीं मिली, तो हम आपको रिसीविंग के कागज दिखा रहे हैं। कमेटी ने सबको जानकारी भेजी है। उत्तराखंड की 10 फीसद जनता ने इस पर अपनी राय दी है।

सीएम धामी ने विधानसभा में बताया है कि हमने संविधान के अनुच्छेद 342 के अंतर्गत वर्णित हमारी अनुसूचित जनजातियों को इस संहिता से बाहर रखा है, जिससे उन जनजातियों का और उनके रीति रिवाजों का संरक्षण किया जा सके। इस संहिता में यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि विवाह केवल और केवल एक पुरुष व एक महिला के मध्य ही हो सकता है। ऐसा करके हमने समाज को एक स्पष्टता देने व देश की संस्कृति को भी बचाने का काम किया है। हमारे देश के प्रधानमंत्री राष्ट्रऋषि श्री नरेन्द्र मोदी जी विकसित भारत का सपना देख रहे हैं। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है। उनके नेतृत्व में यह देश तीन तलाक और धारा-370 जैसी ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने के पथ पर है। समान नागरिक संहिता का विधेयक आदरणीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश को विकसित, संगठित, समरस और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए किए जा रहे महान यज्ञ में हमारे प्रदेश द्वारा अर्पित की गई एक आहुति मात्र है। इस विधेयक में समान नागरिक संहिता के अंतर्गत जाति, धर्म, क्षेत्र व लिंग के आधार पर भेद करने वाले व्यक्तिगत नागरिक मामलों से संबंधित सभी कानूनों में एकरूपता लाने का प्रयास किया गया है।

सीएम धामी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आखिर क्यों आजादी के बाद 60 सालों से अधिक समय तक राज करने वाले लोगों ने समान नागरिक संहिता को लागू करने के बारें में विचार तक नहीं किया। वे राष्ट्रनीति को भूलकर सिर्फ और सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति करते रहे। हमारी माताओं-बहनों के इंतजार की घड़िया अब समाप्त होने जा रही हैं।

**ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने के पथ पर है। समान नागरिक संहिता का विधेयक आदरणीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश को विकसित, संगठित, समरस और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए किए जा रहे महान यज्ञ में हमारे प्रदेश द्वारा अर्पित की गई एक आहुति मात्र है। इस विधेयक में समान नागरिक संहिता के अंतर्गत जाति, धर्म, क्षेत्र व लिंग के आधार पर भेद करने वाले व्यक्तिगत नागरिक मामलों से संबंधित सभी कानूनों में एकरूपता लाने का प्रयास किया गया है।**

## संपादकीय

# शादी की तरह लिव इन में भी रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

उत्तराखंड में मंगलवार यानी 6 फरवरी को समान नागरिक संहिता विधानसभा में पारित कर दिया गया. इसके दायरे से हालांकि अनुसूचित जनजातियों को बाहर रखा गया है और अभी इसके कानून बनने में कुछ कदम और शेष हैं, लेकिन इसे एक तरह का प्रयोग माना जा रहा है. उत्तराखंड में प्रयोग के बाद पूरे देश में इसे आजमाने की कोशिश की जाएगी, ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं. इस कानून को लेकर मुस्लिम पक्ष भी मैदान में आ गया है और इसे उनके धार्मिक अधिकारों पर अतिक्रमण मान रहा है. लिव-इन रिलेशनशिप को रजिस्टर कराने की अनिवार्यता पर भी खासी बहस छिड़ी हुई है.

> लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के दौरान किसी बच्चे का जन्म हो जाता है, तो उसको भी वही सारे अधिकार दिए गए हैं, जो शादी से पैदा हुए बच्चे को हैं. तो, समाज में बहुत अधिक फर्क रहा नही है. भारतीय समाज में अब इस पर रोक लगाना संभव नही है. ऐसे में सरकार का दायित्व है कि वह प्रोटेक्ट करे, तो महिलाओं को यह सुरक्षा देना बहुत जरूरी है.

अच्छी बात यह है कि अब यूसीसी पर चर्चा हो रही है. अच्छी बात यह है कि उत्तराखंड में सर्वसम्मति से यूसीसी पारित हुआ है. एक चीज जिसकी बात आपने की है, उसको लेकर विवाद भी हो रहा है और आपने उस पर सवाल भी किया है. शादी जब दो वयस्कों के बीच में होती है, जिसे भारत का संविधान मानता है, तो उसमें कई राइट्स यानी अधिकार खुद ब खुद बन जाते हैं. जैसे कि, बच्चे का क्या होगा, संपत्ति का बंटवारा कैसे होगा, सेपरेशन के बाद अगर मेंटेनेंस की बात आएगी, तो वह कैसे आएगी, बच्चों की कस्टडी कैसे मिलेगी, तलाक होगा तो कैसे होगा, आप कितनी शादियां कर सकते हैं, अगर कभी घरेलू हिंसा होती है तो क्या होगा और इस जैसे कई सारे सवालों के जवाब दिए जाते हैं. लिव-इन के बारे में यह एक्ट बात कर रहा है कि कई बार विभिन्न राज्यों में कई कोर्ट ने कहा है कि अगर कोई वयस्क किसी दूसरे के साथ रहना चाह रहा है, तो उसे रहने का अधिकार है. उसे ही निजता का अधिकार कहा गया है. हालांकि, कई बार इसकी वजह से हमारे देश की बच्चियों के साथ हिंसा की घटनाएं हो जाती हैं, क्योंकि मां-बाप को पता नहीं होता कि वे कहां रह रही हैं या किसी के साथ रह रही हैं या नहीं. कानून ने वैसे भी कह रखा है कि वयस्क व्यक्ति अपनी मर्जी से रह सकते हैं. ऐसे मामलों में कई बार पैरेंट्स को पता नहीं होता, बेडरूम के अंदर तो सरकार घुस नहीं सकती और स्टेट को घुसना भी नहीं चाहिए, तो आखिरकार जब तक पता चलता है, तब तक कुछ दुर्घटना हो जाती है. चाहे वो श्रद्धा वॉल्कर जैसी घटना हो या वैसी और भी कई तरह की घटनाएं हैं. ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ही बस सूचना देने की बात कही गयी है. लिव-इन को आप नहीं रोक सकते हैं, क्योंकि वह इच्छा है, वह अधिकार है. इसलिए, सरकार ने कहा है कि आपको लिव-इन में रहना है तो रहिए, बस हमें बता दीजिए. यह बस एक सावधानी है, शादी से इसकी तुलना नहीं कर सकते हैं. केरल हाईकोर्ट ने कुछ समय पहले अपने एक फैसले में यह कहा था कि



अगर कोई लड़का-लड़की पांच साल तक लिव-इन में रहते हैं, तो उसको शादी मान लिया जाएगा. अन्य उच्च न्यायालय ने भी ये बात कही है. अगर लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के दौरान किसी बच्चे का जन्म हो जाता है, तो उसको भी वही सारे अधिकार दिए गए हैं, जो शादी से पैदा हुए बच्चे को हैं. तो, समाज में बहुत अधिक फर्क रहा नहीं है. भारतीय समाज में अब इस पर रोक लगाना संभव नहीं है. ऐसे में सरकार का दायित्व है कि वह प्रोटेक्ट करे, तो महिलाओं को यह सुरक्षा देना बहुत जरूरी है.

# भारत रत्नो से किसान के वोटिंग ब्लॉक्स को साध रहे हैं पीएम मोदी

डॉ अश्विनी महाजन

**प्रधानमंत्री मोदी ने जब सदन में भाजपा को 370 सीटें अपने दम पर आने की बात कही, तो शायद वे ये सारा गुणा-गणित बिठा चुके थे, समीकरण कर चुके थे. उनको भाजपा की कमजोरी भी पता है और मजबूती भी. उनको यह भी पता है कि किस विरोधी को गाजर देनी है और किसको छड़ी दिखानी है. बिहार में लोकसभा चुनाव में अगर नीतीश-लालू की युति बनी रहती तो भाजपा के लिए मुश्किल थी, इसलिए कड़वे घूंट की तरह भाजपा ने नीतीश को साथ लिया.**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चौंकाऊफैसलों के लिए जाने जाते हैं. अंतिम पल तक खबरें लीक न होने देने के लिए भी. इसीलिए, जब कल यानी शुक्रवार 9 फरवरी को उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर एक के बाद एक तीन भारत-रत्न सम्मानों की घोषणा की, तो पूरा देश आश्चर्य में पड़ गया. तीनों नाम भी ऐसे थे, जिनमें से दो राजनीति के होते हुए भी जिनका भाजपा या उसके पहले जनसंघ से कोई लेना-देना नहीं था, बल्कि एक तो लगातार मोदी के निशाने पर रहनेवाली पार्टी कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंह राव थे. जिस तरह कर्पूरी ठाकुर के नाम ने चौंकाया, लालकृष्ण आडवाणी के नाम ने आश्वस्त किया, उसी तरह जनता को नरसिंह राव के नाम ने चमत्कृत किया, चौधरी चरण सिंह के नाम ने थोड़ा ही सही, लेकिन झटका दिया और एम एस स्वामीनाथन के नाम ने आश्वस्त किया. अब तक कुल पांच घोषित भारत-रत्नों से मोदी 2024 के आम चुनाव की राजनीति साध रहे हैं, ऐसा भी कहा गया.

मोदी का शासनकाल नए नायकों को गढ़ने के लिए याद रखा जाएगा. अब तक के नेहरू-गांधी युग से देश की स्मृति को तड़ित के झटके देकर बाहर निकालने के लिए भी जाना जाएगा. इसीलिए, कई बार मोदी के विरोधी यह भी आरोप लगाते हैं कि भाजपा या उसकी मातृ-संस्था आरएसएस के पास चूंकि अपने नायक नहीं हैं, इसलिए वह उधार के नायक ले रहे हैं. भीमराव अंबेडकर को भारत-रत्न भले 1990 में वी पी सिंह की सरकार ने दिया था, लेकिन उसमें भाजपा का समर्थन शामिल था. नरेंद्र मोदी की सरकार ने आंबेडकर के जितने स्मारक बनाए, जिस तरह बार-बार उनको याद किया और लोगों को याद दिलाया, वह हम सभी ने देखा है. इसमें यह छिपी हुई व्यंजना भी देखनी चाहिए कि कांग्रेस ने आंबेडकर को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वह हकदार थे. उसके बाद सरदार पटेल की सबसे बड़ी मूर्ति बनाना हो या सुभाष बोस की मूर्ति को कर्तव्य पथ पर लगाना, मोदी लगातार बहुत सलीके से नेहरू और गांधी के पूरे देश के मानस पर छाए कब्जे को हटाते चले गए और कांग्रेस के कब्जे से देश के मानस को मुक्त करते गए. इन सब में एक बात समान रही. वह ये बताने की थी कि कांग्रेस ने केवल एक खानदान और एक नाम को ही जीवित रखा. आंबेडकर और सुभाष बाबू तो एक पल को कांग्रेसी नहीं भी थे, लेकिन सरदार पटेल को भी जिस तरह से मोदी ने को-ऑप्ट कर लिया, वह बताता है कि उनका असल लक्ष्य कहां था और इन भारत-रत्नों की घोषणा से मोदी वहीं निशाना साध रहे हैं.

नरसिंह राव को भारत-रत्न देकर प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस की दुखती रग पर हाथ दे दिया है. इसके जरिए उन्होंने न केवल उत्तर-दक्षिण भारत के बीच विभाजनकारी बातों को दबाने की कोशिश की है, यहां ध्यान रखना होगा कि कृषि विज्ञानी एम एस स्वामीनाथन भी दक्षिण भारतीय ही हैं, बल्कि सोनिया गांधी के लिए खासी मुश्किलें खड़ी कर दी हैं. पीएम मोदी ने पहला निशाना तो यह साधा कि जब बात सम्मान देने की आती है, तो वह दलगत आधार पर विभाजन नहीं करते और देश की अर्थव्यवस्था को खोलनेवाले, देश को नए युग में ले जानेवाले नायकों जैसे नरसिंह राव का भी सम्मान करते हैं, भले ही वह कांग्रेस से ही क्यों न हों? दूसरा निशाना यह कि नरसिंह राव की चर्चा के साथ ही कांग्रेस के 'क्लोजेट' यानी आलमारी से बहुतेरी पुरानी बातें भी निकलेंगी, जैसे किस तरह नरसिंह राव के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार भी दिल्ली में नहीं होने दिया गया, या उनके शव को कांग्रेस दफ्तर में दर्शनों के लिए भी नहीं रखा गया, या उनको वह सम्मान नहीं दिया गया जिसके वह हकदार थे, बल्कि कांग्रेस की कई भूलों के लिए उन्हें बलि का बकरा बना दिया गया. देश के पूर्व राष्ट्रपति रहे प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने 'प्रणब, माई फादरः ए डॉटर रिमैम्बर्स' किताब में उस घटना का जिक्रकिया है, जब नरसिंह राव का पार्थिव शरीर कांग्रेस दफ्तर के बाहर आया, लेकिन उसे सोनिया गांधी ने अंदर नहीं जाने दिया. यही बात नरसिंह राव के पोते ने भी कही है. प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरा और सबसे बड़ा निशाना दक्षिण और उत्तर के विभाजन को मिटाने के लिए दक्षिण को साफ संदेश देकर साधा है. उन्होंने यह साफ कर दिया है कि उनके लिए यह विभाजन मायने नहीं रखता है, जिसकी बात कांग्रेस कर रही है. पी वी नरसिंह राव को भारत रत्न देकर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मतदाताओं को मोदी ने अपने साथ लाने की जुगत बिठा दी है, लेकिन सोशल मीडिया के इस जमाने में कांग्रेस की मुश्किलें बहुत बढ़ा दी हैं.

प्रधानमंत्री मोदी ने आडवाणी को भारत-रत्न की घोषणा कर भाजपा के कोर वोटरों को पहले ही खुश कर दिया है, जो उग्र हिंदुत्व की अपेक्षा इस पार्टी से रखते हैं. उनके साथ ही कर्पूरी ठाकुर को भारत-रत्न देकर उन्होंने कमंडल को भी साधने की कोशिश की है. बिहार में नाई अति पिछड़ा वर्ग में आते हैं और नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव ने गुरु होते हुए भी कर्पूरी ठाकुर को जुबानी जमाखर्च के वह सम्मान कभी नहीं दिया, जिसके वह हकदार थे. भले ही उनको भारत-रत्न की घोषणा होते ही राजद और जेडीयू ने पुरानी फाइल खबरें लगा दीं कि उन्होंने तो पहले ही मांग की थी, लेकिन लालू हों या नीतीश, दोनों ही मुख्यमंत्री भी रहे, केंद्र सरकार में ताकतवर मंत्री भी, लेकिन कर्पूरी ठाकुर को भारत-रत्न देकर मोदी ने यह उपलब्धि भी अपने खाते में डाल ली. अब राहुल गांधी जितना भी ओबीसी का हल्ला कर लें, या मोदी की जाति पर ही शंका उठा दें, लेकिन संदेश जहां तक जाना था, वह जा चुका है. एम एस स्वामीनाथन को भारत रत्न देकर दक्षिण भारत को एक और संदेश तो दिया ही गया है, उसके साथ ही किसानी का जो बौद्धिक वर्ग है, उसको भी साधा गया है. जिन स्वामीनाथन ने भारत को हरित क्रांति की राह दिखाई, उनको भारत-रत्न का सम्मान देना, देर से उठाया गया एक सही कदम है औरइसका अकादमिकों, बौद्धिकों और देश के कृषि-वैज्ञानिकों में गहरा संदेश जाएगा. वहीं, चौधरी चरण सिंह को भारत-रत्न देकर पीएम मोदी ने ऐसा मास्टरस्ट्रोक दिया है, जिससे सपा भी हतप्रभ है और कांग्रेस भी. स्वागत तो इसका सबको करना ही पड़ेगा. चौधरी चरण सिंह किसानी को जमीनी स्तर पर लड़ने वाले नेता थे और जो किसान मिट्टी से जुड़ा, वह चौधरी साहब से जुड़ा. बोट क्लब पर हुक्का पीकर बड़ी सरकारों को हिला देने वाले, मोरारजी देसाई को पीएम पद से हटवाने वाले चौधरी चरण सिंह एक ऐसे किसान नेता हैं, जिनको भारत के किसी भी कोने का किसान कम से कम नाम से तो जानता ही है. इसकी वजह उनकी संगठन क्षमता और अटूट समर्थन है. इस तीर से पीएम मोदी ने न केवल जयंत चौधरी को काबू में किया है, बल्कि आगे होनेवाले किसान आंदोलन की लौ भी धीमी कर दी है, जिसके लिए राकेश टिकैत तैयारी कर रहे हैं.

**(ये लेखक के निजी विचार हैं.)**

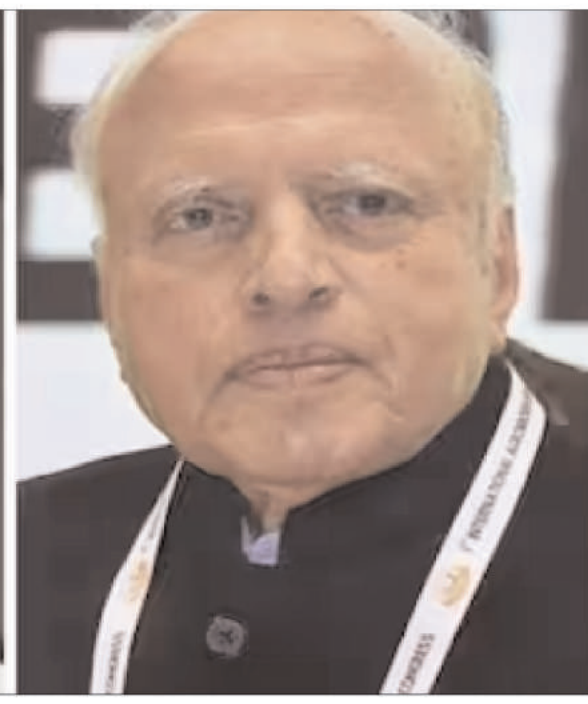

## बिजनेस

# भारत को इजरायल से मिला सेमीकंडक्टर प्लांट बनाने का प्रस्ताव

**नई दिल्ली** :भारत को सेमीकंडक्टर बनाने के क्षेत्र में बड़ी सफलता मिल सकती है. इजरायल की मशहूर सेमीकंडक्टर (ग्रीङ्क्ष्ल्ल४ि३ङ्क१) निर्माता कंपनी टावर (ळङ्कीे१) ने देश में 8 अरब डॉलर के निवेश से प्लांट लगाने का प्रस्ताव दिया है. यदि इस प्लांट को बनाने में सफलता मिलती है तो सरकार को बड़ी राहत मिलेगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (ठ१ील्ल१ि टङ्क) भी काफी समय से देश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं. इसके लिए सरकार ने दिसंबर, 2021 में 10 अरब डॉलर की स्कीम का भी ऐलान किया था.

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल की कंपनी टावर ने भारत में सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने में रुचि दिखाई है. कंपनी ने भारत सरकार को 8 अरब डॉलर का प्रस्ताव भी दिया है. इसके लिए कंपनी ने सरकार से इंसेंटिव की डिमांड की है. प्रस्ताव के मुताबिक, टावर भारत में 65 नैनोमीटर और 40 नैनोमीटर चिप बनाएगी. आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने पिछले साल अक्टूबर में टावर सेमीकंडक्टर के सीईओ रसेल सी एलवांगर मुलाकात की थी. इस बैठक में



इजरायल के राजदूत नाओर गिलन भी शामिल थे. बैठक के बाद राजीव चंद्रशेखर ने बताया था कि भारत और टावर के बीच सेमीकंडक्टर पार्टनरशिप को लेकर चर्चा की गई है.

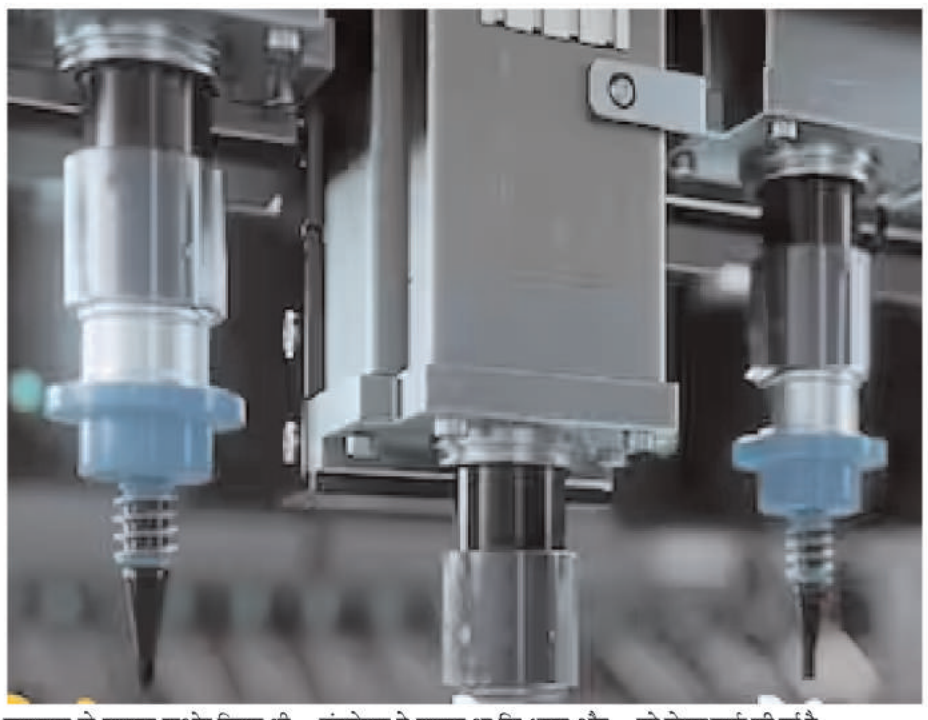

इससे पहले साल 2022 में इंटरनेशनल सेमीकंडक्टर कंसोर्टियम ने भारत की सेमीकंडक्टर स्कीम का हिस्सा बनने के लिए आवेदन दिया था. टावर भी इसी आईएससी का हिस्सा है. हालांकि, उस समय इंटेल ) ने टावर सेमीकंडक्टर को खरीदने की कोशिश की थी.

इसके चलते भारत सरकार ने आवेदन को स्वीकार नहीं किया था. सरकार आश्वस्त नहीं थी कि इंटेल अधिग्रहण के बाद टावर सेमीकंडक्टर को आईएससी का हिस्सा रहने देगी या नहीं. टॉवर सेमीकंडक्टर हाई वैल्यू एनालॉग सेमीकंडक्टर सोलूशंस उपलब्ध कराती है. यह ऑटोमोटिव, मेडिकल, इंडस्ट्रियल, कंज्यूमर, एयरोस्पेस और डिफेंस जैसे सेक्टर में चिप सप्लाई करती है. कंपनी दुनिया भर के 300 से ज्यादा कस्टमर्स को एनालॉग इंटीग्रेटेड सर्किट बनाकर देती है. कंपनी का सालाना रेवेन्यू 1 अरब डॉलर से अधिक है. पिछले साल जून में अमेरिका की चिप मेकर कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी ने गुजरात में 82.5 करोड़ डॉलर के इनवेस्टमेंट से असेंबली और टेस्ट फैसिलिटी बनाने का ऐलान किया था. यह साल 2024 के अंत में शुरू हो जाएगी.

# डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में आया जबरदस्त उछाल, भर गया सरकार का खजाना

**नई दिल्लीः** सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज ने रविवार को बताया कि देश का कुल डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन बढ़कर 18.38 लाख करोड़ रुपये हो गया है. इसमें पिछले साल के मुकाबले 17.30 फीसदी का उछाल आया है. सीबीडीटी की तरफ से जारी किया गया आंकड़ा 10 फरवरी तक का है.

सीबीडीटी ने रविवार को जारी अपनी रिपोर्ट में बताया कि देश का नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन भी पिछले साल के मुकाबले 20.25 फीसदी बढ़कर 15.60 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा छू गया है. यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2023-24 के लिए संशोधित अनुमानों का 80.23 फीसदी है. इसके अलावा ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन भी 10 फरवरी तक पिछले साल के मुकाबले 17.30 फीसदी बढ़कर 18.38 लाख करोड़ रुपये रहा है.

सीबीडीटी ने कहा कि डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के यह आंकड़े लगातार ऊपर जा रहे हैं. इसके साथ ही कॉरपोरेट इनकम टैक्स और पर्सनल इनकम टैक्स के आंकड़े भी लगातार बढ़ रहे हैं. कॉरपोरेट





इनकम टैक्स में 13.57 फीसदी और पर्सनल इनकम टैक्स में 26.91 फीसदी की वृद्धि हुई है. सीबीडीटी के आंकड़ों के अनुसार 10 फरवरी तक 2.77 लाख करोड़ रुपये के रिफंड भी जारी किए गए हैं. भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, इनकम टैक्स रिटर्न भरने वालों की संख्या पिछले 10 साल में दोगुनी होकर 7.78 करोड़ हो गई है. वित्त वर्ष 2023 में भरे गए आईटीआर की यह संख्या वित्त वर्ष 2013-14 के मुकाबले 104.91 फीसदी बढ़ी है. वित्त वर्ष 2013-14 में 3.8 करोड़ आईटीआर फाइल किए गए थे.सीबीडीटी के आंकड़ों के अनुसार, समान अवधि में नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन भी 160.52 फीसदी बढ़ा है. वित्त वर्ष 2013-14 में यह आंकड़ा 6,38,596 करोड़ रुपये था. वित्त वर्ष 2022-23 में नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन बढ़कर 16,63,686 करोड़ रुपये हो गया. इन 10 साल में डायरेक्ट टैक्स टू जीडीपी रेशियो भी 5.62 फीसदी से बढ़कर 6.11 फीसदी हो गया.

# माइक्रोसॉफ्ट ने रचा इतिहास, दुनिया की कोई कंपनी नहीं छू पाई अब तक यह आंकड़ा

**नई दिल्ली :** दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के शेयर इन दिनों जबरदस्त उछाल पर हैं. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) में कंपनी द्वारा पहले उठाए गए कदमों का उसे भारी मुनाफा हो रहा है. कंपनी के शेयरों में आई इस बढ़त के चलते माइक्रोसॉफ्ट ने ऐसा आंकड़ा छू लिया है, जहां तक कोई कंपनी नहीं पहुंच पाई थी. माइक्रोसॉफ्ट का मार्केट कैप हफ्ते के अंत में 3.125 ट्रिलियन डॉलर हो गया.

**आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) में कंपनी द्वारा पहले उठाए गए कदमों का उसे भारी मुनाफा हो रहा है. कंपनी के शेयरों में आई इस बढ़त के चलते माइक्रोसॉफ्ट ने ऐसा आंकड़ा छू लिया है, जहां तक कोई कंपनी नहीं पहुंच पाई थी. माइक्रोसॉफ्ट का मार्केट कैप हफ्ते के अंत में 3.125 ट्रिलियन डॉलर हो गया.**

**एप्पल पर बना ली साफ बढ़त**

बैरंस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, माइक्रोसॉफ्ट ने शेयरों में इस उछाल के चलते एप्पल पर साफ बढ़त बना ली है. शुक्रवार को एप्पल का मार्केट कैप 2.916 ट्रिलियन डॉलर हो गया था. सबसे ज्यादा मार्केट कैप का पिछले रिकॉर्ड आईफोन निर्माता कंपनी एप्पल के नाम ही था. एप्पल ने जुलाई में 3.09 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप बना लिया था. बैरंस के मुताबिक, माइक्रोसॉफ्ट अमेरिका की पहली कंपनी बन गई है, जिसने 3.1 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप का आंकड़ा छू लिया है. माइक्रोसॉफ्ट का शेयर शुक्रवार को 420.55 डॉलर के रेट पर बंद हुआ था.एआई सेक्टर में ओपन एआई के साथ माइक्रोसॉफ्ट की पार्टनरशिप से दोनों कंपनियों को बहुत फायदा पहुंच रहा है. ओपन एआई (डस्रील्लअक) का बनाया हुआ चैट जीपीटी (उँ३ॅढळ) पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो चुका है. लोगों में एआई के इस्तेमाल के लिए उत्साह पैदा हो गया है. यही वजह है ज्यादातर निवेशक माइक्रोसॉफ्ट के स्टॉक पर पैसा लगा रहे हैं. पिछले 12 महीनों में





माइक्रोसॉफ्ट का शेयर लगभग 60 फीसदी उछल चुका है.

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य न्ने हाल ही में कहा था कि अब हम एआई के बारे में बात करने से आगे निकलकर उसका इस्तेमाल करने की प्रक्रिया में आ चुके हैं. हमें नए कस्टमर मिल रहे हैं. इससे नया फायदा कंपनी को हो रहा है. सत्य नडेला ने हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ के रूप में अपना 10वां साल पूरा किया है. उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर फोकस कर सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट को नई दिशा दिखाई है. नडेला ने साल 2014 में कंपनी की कमान संभाली थी.आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) में कंपनी द्वारा पहले उठाए गए कदमों का उसे भारी मुनाफा हो रहा है. कंपनी के शेयरों में आई इस बढ़त के चलते माइक्रोसॉफ्ट ने ऐसा आंकड़ा छू लिया है, जहां तक कोई कंपनी नहीं पहुंच पाई थी. माइक्रोसॉफ्ट का मार्केट कैप हफ्ते के अंत में 3.125 ट्रिलियन डॉलर हो गया.

# अगले पांच दिन इन शेयरों से कमाई का मौका

**नई दिल्ली**:शेयर बाजार के निवेशकों को 12 फरवरी से शुरू हो रहे सप्ताह में कमाई करने के धुआंधार मौके मिलने वाले हैं. सोमवार से शुरू हो रहे सप्ताह में करीब 50 कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड हो रहे हैं, जिनमें कोचिन शिपयार्ड, नेस्ले इंडिया, ओएनजीसी जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं.

सोमवार से शुरू हो रहे सप्ताह के दौरान एक्स-डिविडेंड होने वाले बड़े शेयरों में कोचिन शिपयार्ड के शेयरधारकों को 3.5 रुपये प्रति शेयर की दर से अंतरिम लाभांश मिलेगा. वहीं इंजीनियर्स इंडिया 2 रुपये, टोरेंट फार्मा 22 रुपये, गल्फ ऑयल 16 रुपये, डॉ लाल पैथलैब्स 12 रुपये, नेस्ले इंडिया 7 रुपये, पावरग्रिड कॉरपोरेशन 4.5 रुपये और इरकॉन इंटरनेशनल 1.8 रुपये प्रति शेयर की दर से अंतरिम लाभांश दे रही है. प्रॉक्टर एंड गैम्बल के शेयरधारकों को 50 रुपये का अंतरिम लाभांश और 150 रुपये का विशेष लाभांश मिलने वाला है.

# टेस्ट सीरीज : टीम इंडिया के लिए राहत की खबर

**नई दिल्ली**

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के पहले दो मैच खेले जा चुके हैं। जबां टीम इंडिया ने एक मैच और इंग्लैंड ने एक मैच में जीत हासिल की है। इसी बीच तीसरे टेस्ट मैच से पहले इंग्लैंड की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम का एक स्टार खिलाड़ी सीरीज के बचे हुए मुकबालों से बाहर हो गया है। यह इंग्लैंड के लिए झटका तो है, लेकिन टीम इंडिया के लिए राहत भरी खबर है। इस खिलाड़ी के न होने से इंग्लैंड की गेंदबाजी को नुकसान होगा। यह खिलाड़ी कोई और नहीं जैक लीच हैं। इंजरी के कारण उन्हें सीरीज के बचे हुए मुकाबलों से बाहर होना पड़ा है। जैक लीच दूसरा मुकाबला भी इंजरी के कारण नहीं खेल सके थे।

सीरीज के चार दिन पहले आई खबर

टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 15 फरवरी से खेला जाना है। यह मैच राजकोट में खेला जाएगा। इस मैच से पहले इंग्लैंड के लिए यह बहुत बड़ा झटका साबित हो सकता है। भारतीय पिचों पर सटिक स्पिन गेंदबाजी करने के लिए इंग्लैंड के पास पहले ही स्पिन गेंदबाजों की कमी है और अब अनुभवी स्पिनर जैक लीच का बाहर हो जाना उन्हें इस सीरीज के दौरान काफी परेशान कर सकता है। हालांकि लीच ने सीरीज के पहले मुकाबले में अपनी गेंदबाजी के कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया था। उन्होंने इस मुकाबले सिर्फ दो ही विकेट हासिल किए थे। भारत के लिए खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में जैक लीज इंजरी के कारण नहीं खेल सके थे। उनकी जगह शोएब बशीर को प्लेइंग 11 में शामिल किया गया था। बशीर के लिए यह डेब्यू मैच था। उन्होंने इस मुकाबले में अपनी गेंदबाजी से इंप्रेस भी किया था। जहां उन्होंने भारत के कप्तान रोहित शर्मा के रूप में अपना पहला इंटरनेशनल विकेट भी झटका था। बशीर ने इस मुकाबले में कुल तीन विकेट झटके थे। जैक लीज के बाहर होने के बाद इंग्लैंड की टीम ने कोई रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है।

**इंग्लैंड की टेस्ट टीमः**

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन स्टोक्स (कप्तान), बेन फॉक्स (विकेटकीपर), रेहान अहमद, टॉम हार्टले, शोएब बशीर, जेम्स एंडरसन, मार्क वुड, ओली रॉबिन्सन, डेनियल लॉरेंस, गस एटकिंसन

## संक्षेप खबरें

### विराट कोहली के करियर में पहली बार हुआ ऐसा

**नईदिल्ली।** : भारत में इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज के बचे हुए तीन मैचों के लिए शनिवार को बीसीसीआई ने अपने 17 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। इस दौरान भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली टीम का हिस्सा नहीं थे। सीरीज में खेले गए पहले दो मैचों में भी विराट कोहली टीम इंडिया के स्क्वाड का हिस्सा नहीं थे और अब बचे हुए तीन मैच में भी कुछ ऐसा ही हाल है। कुल मिलाकर कहा जाए तो उन्होंने पूरी सीरीज ही मिस कर दी। विराट कोहली व्यक्तिगत कारणों से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। हालांकि पहले आस लगाई जा रही थी कि विराट कोहली बचे हुए तीन मैचों के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड में शामिल होंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही सीरीज में टीम इंडिया के स्क्वाड से बाहर होने के बाद विराट का एक लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड भी रुक गया। अपने लगभग 13 साल लंबे टेस्ट करियर में पहली बार विराट कोहली ने भारत के लिए कोई टेस्ट सीरीज मिस की है।

विराट कोहली के न होने से टीम इंडिया की बैटिंग लाइन अप पर जोरदार झटका लगा है। टीम इंडिया इस सीरीज में पहले ही अपनी बल्लेबाजी को लेकर एक बार मात खा चुकी है और अब टॉप ऑर्डर में विराट कोहली की गैरमौजूदगी टीम को और भी नुकसान पहुंचा सकती है। इस पूरे सीरीज में शुभमन गिल और यशस्वी जयसवाल को छोड़कर भारत का कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं बना सका। विराट कोहली के बाहर हो जाने से भारत की बैटिंग लाइन अप जिस तरह से कमजोर नजर आ रही है। उसी तरह से सचिन तेंदुलकर के बाहर हो जाने से टीम इंडिया के साथ पहले हुआ करता था। ऐसे में आइए जानते हैं कि सचिन तेंदुलकर ने अपने पूरे टेस्ट करियर में कितनी सीरीज मिस की है।

# बंगाल के कप्तान ने कर दी रणजी ट्रॉफी को हटाने की मांग, फूटा प्लेयर का गुस्सा

**नई दिल्ली**

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है। वहीं घरेलू क्रिकेट में रणजी ट्रॉफी के मैच खेले जा रहे हैं। रणजी ट्रॉफी भारत के सबसे पुराने टूर्नामेंट में से एक है। यहां अच्छा प्रदर्शन करके कई खिलाड़ियों ने नेशनल टीम में जगह बनाई है। मुंबई की टीम ने सबसे ज्यादा 41 बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता है। अब रणजी ट्रॉफी में बंगाल की टीम के कप्तान मनोज तिवारी ने बड़ी बात कही है।

मनोज तिवारी रणजी ट्रॉफी में बंगाल की टीम के कप्तान हैं। अब उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि अगले सीजन से रणजी ट्रॉफी को कैलेंडर से हटा देना चाहिए। टूर्नामेंट में बहुत सी चीजें गलत हो रही हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को बचाने के लिए कई चीजों पर ध्यान देने की जरूरत है। यह टूर्नामेंट अपना महत्व खोता जा रहा है। बिल्कुल निराश हूं।

मनोज तिवारी ने इसके बाद फेसबुक लाइव में आकर कहा कि हम केरल के साथ एक मैदान में खेल रहे हैं। हम स्टेडियम में मैच नहीं खेल रहे हैं। लेकिन यहां पर एक स्टेडियम पहले से ही अच्छा बना हुआ है, लेकिन हम वहां मैच नहीं खेल रहे हैं। हमें आउट ऑफ द सिटी एक ग्राउंड दिया हुआ है।

# ऑस्ट्रेलिया वुमेंस टीम ने अफ्रीकी टीम के खिलाफ जीती सीरीज

**नई दिल्ली**

ऑस्ट्रेलिया वुमेंस क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीकी टीम को अपने घर पर खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में डकवर्थ लुईस नियम के अनुसार 110 रनों से मात देते हुए सीरीज को जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया वुमेंस इस निर्णायक मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 277 रन बनाने में कामयाब हुई थी, जिसके बाद टारगेट का पीछा करने उतरी अफ्रीकी महिला टीम 24.3 ओवरों में सिर्फ 127 रन बनाकर निपट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत में अलाना किंग ने गेंद से अहम भूमिका निभाते हुए 4 विकेट अपने नाम किए। तीसरे वनडे मैच में साउथ अफ्रीकी वुमेंस टीम के बल्लेबाजों ने अपने प्रदर्शन से सबसे ज्यादा निराश किया जिसमें टीम की शुरुआत ही काफी खराब देखने को मिली। 8 के स्कोर पर टीम ने अपना पहला विकेट कप्तान लौरा वोल्वार्डट के रूप में गंवा दिया और इसके बाद 29 के स्कोर पर टीम को दूसरा झटका अनाके बोश के रूप में लगा। 52 के स्कोर तक अफ्रीकी वुमेंस टीम अपने 4 विकेट गंवा चुकी थी, जिसके बाद उनके लिए इस मुकाबले में वापसी करना काफी कठिन हो गया था। अफ्रीकी वुमेंस टीम की पारी में 7 खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके। ऑस्ट्रेलिया वुमेंस टीम की तरफ से गेंदबाजी में अलाना किंग ने जहां 5 ओवरों में सिर्फ 26 रन देते हुए 4 विकेट हासिल किए तो वहीं ताहलिया मैक्ग्रा और किम ग्रेथ ने 3-3 विकेट हासिल किए।

### पथुम निसांका ने रचा इतिहास, श्रीलंका की तरफ से ऐसा करने वाले बने पहले खिलाड़ी

**नईदिल्ली।** श्रीलंका टीम के 25 साल के दाएं हाथ के ओपनिंग बल्लेबाज पथुम निसांका ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में दोहरा शतक लगाने में कामयाब हुए है। श्रीलंका के लिए वनडे क्रिकेट में पथुम अब पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिनके बल्ले से दोहरा शतक देखने को मिला है। इससे पहले वनडे में श्रीलंका के लिए सबसे बड़ा स्कोर बनाने का कारनामा सनथ जयसूर्या के नाम पर था, जिन्होंने साल 2000 में भारत के खिलाफ मुकाबले में 189 रनों की पारी खेली थी। पथुम की पारी के दम पर श्रीलंका ने इस पहले मुकाबले 50 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर 381 रन बनाने में कामयाब हुई। इस पहले वनडे मैच में अफगानिस्तान की टीम ने टॉस जीतने के बाद गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद श्रीलंका की तरफ से पारी की शुरुआत करने उतरे पथुम निसांका और अविष्का फर्नांडो ने पहले 10 ओवरों में टीम को कोई झटका नहीं लगने दिया और स्कोर 90 रनों तक पहुंचा दिया। इसके बाद दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 182 रनों की साझेदारी देखने को मिली। फर्नांडो इस मैच में 88 गेंदों में 88 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटे। वहीं पथुम निसांका एक छोर से लगातार रन बनाने का सिलसिला जारी रखे हुए थे।

# मोहम्मद नबी ने 39 साल की उम्र में सचिन तेंदुलकर को छोड़ा पीछे

**नई दिल्ली**

अफगानिस्तान की टीम इस समय श्रीलंका के दौरे पर है, जहां उन्हें एक मैच की टेस्ट सीरीज में 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अब दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है और इसके पहले मुकाबले में अफगान टीम को 42 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि इस मुकाबले में अफगानिस्तान के स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी मोहम्मद नबी के बल्ले से जरूर शानदार शतकीय पारी देखने को मिली। नबी ने 130 गेंदों का सामना करते हुए 136 रनों की पारी खेली जिसमें 15 चौके और 3 छक्के भी शामिल थे। नबी की ये उनके वनडे करियर की दूसरी सेंचुरी थी जो उन्होंने 39 साल 39 दिन की उम्र में लगाई। इसी के साथ उन्होंने एक मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ दिया।

मोहम्मद नबी ने जहां अपने वनडे करियर का दूसरा शतक लगाया है तो वहीं वह अब वनडे क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले इस नंबर पर सचिन तेंदुलकर काबिज थे जिन्होंने साल 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 38 साल 327 दिन की उम्र में शतक लगाया था। वहीं नबी अफगानिस्तान के लिए भी अब वनडे में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वनडे में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड यूएई के खिलाड़ी खुर्रम खान के नाम है, जिन्होंने 43 साल 162 दिन की उम्र में अफगानिस्तान के खिलाफ ही साल 2014 में हुए एक मैच में ये कारनामा किया था। नबी और उमरजई ने बनाया हारे हुए मैच में सबसे बड़ी साझेदारी बनाने का रिकॉर्ड

श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे मैच में अफगानिस्तान की टीम टारगेट का पीछा करते हुए एक समय 55 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद मोहम्मद नबी और अजमतुल्लाह उमरजई ने पारी को संभालते हुए छठे विकेट के लिए 242 रनों की साझेदारी की हालांकि दोनों ही टीम को जीत नहीं दिला सके।

# जसप्रीत बुमराह को लेकर रवि शास्त्री ने कही बड़ी बात, बताया उन्हें नही पसंद...

**नई दिल्ली :** भारतीय टीम इस समय घरेलू जमीन पर इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है, जिसके शुरुआती दो मुकाबलों में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है। बुमराह अब दोनों मुकाबलों को मिलाकर 15 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। विशाखापट्टनम के मैदान पर खेले गए सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में बुमराह ने भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका अदा की थी। वहीं टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने अब अपने एक बयान में इस बात का खुलासा भी किया है कि बुमराह टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए अपने शुरुआती करियर में उत्सुक भी थे। साल 2016 में बुमराह को लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट में डेब्यू का मौका मिला था, लेकिन टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें लगभग 2 सालों का इंतजार करना पड़ा था।

रवि शास्त्री ने द टाइम्स के लिए लिखने वाले इंग्लैंड टीम के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन को दिए एक इंटरव्यू में बुमराह को लेकर कहा कि मुझे कोलकाता में उनसे

पहली बातचीत याद है जिसमें मैंने उनसे पूछा था कि क्या उन्हें टेस्ट क्रिकेट में दिलचस्पी है? तब उसने कहा था कि यह उसके जीवन का सबसे बड़ा दिन होगा। वहीं शास्त्री ने आगे कहा कि उससे बिना पूछे ही उसे सफेद गेंद का विशेषज्ञ करार दे दिया गया। लेकिन मैं जानता था औरदेखना चाहता था कि उसमें टेस्ट खेलने को लेकर कितनी भूख है। मैंने उससे कहा तैयार रहो। मैंने उसे कहा कि मैं उसे दक्षिण अफ्रीका में खिलाने जा रहा हूं। वह विराट कोहली के साथ टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए बेताब था। वह जानता है कि कोई भी सफेद गेंद के औसत को याद नहीं रखता है।

# टीम इंडिया में जगह ना मिलने पर इस खिलाड़ी का छलका दर्द!

**इंग्लैंड की टीम इस समय भारत के दौरे पर है। यहां टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच 5 मैचो की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज के आखिरी तीन मैचों के लिए टीम इंडिया के स्क्वॉड का ऐलान हो गया है। इसी बीच भारतीय टीम से बाहर चल रहे एक खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर ऐसा पोस्ट किया है जो काफी वायरल हो रहा है। इस खिलाड़ी का हालिया प्रदर्शन काफी शानदार रहा है।**

**नई दिल्ली**

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सीरीज के आखिरी तीन मैचों के लिए टीम का ऐलान किया है। इस टीम में तेज गेंदबाज उमेश यादव का नाम शामिल नहीं है। उमेश यादव पिछले कई समय से टीम से बाहर चल रहे हैं। लेकिन उन्होंने हालिया समय में घरेलू क्रिकेट में काफी शानदार प्रदर्शन किया है। इसके बाद भी उनकी भारतीय टीम में वापसी नहीं हुई है। इस बीच उन्होंने स्क्वॉड के ऐलान के बाद ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि किताबों पर धूल जमने से कहानियां खत्म नहीं होती है। उनका ये पोस्ट अब काफी वायरल हो रहा है। टीम में जगह ना मिलने पर इस खिलाड़ी ने किया ऐसा पोस्ट

उमेश यादव टीम इंडिया के लिए अपना पिछला टेस्ट मैच 2023 में केनिंग्टन ओवल के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने उतरे थे। ये वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच खेला। इस मैच में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। वह तब से ही टीम इंडिया से बाहर चल रहे है। वहीं, वह इस समय रणजी ट्रॉफी में विदर्भ के लिए खेल रहे हैं। इस टूर्नामेंट में वह 4 मैचों में 19 विकेट चटका चुके हैं। इनमें से 18 विकेट उन्होंने पिछले 3 मैचों में हासिल किए हैं। दूसरी ओर उमेश यादव ने भारत के लिए 57 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 30.95 की औसत के साथ 170 विकेट चटकाए हैं।इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए मैचों के लिए टीम इंडिया का स्क्वॉडभारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सीरीज के आखिरी तीन मैचों के लिए टीम का ऐलान किया है। इस टीम में तेज गेंदबाज उमेश यादव का नाम शामिल नहीं है। उमेश यादव पिछले कई समय से टीम से बाहर चल रहे हैं। लेकिन उन्होंने हालिया समय में घरेलू क्रिकेट में काफी शानदार प्रदर्शन किया है। इसके बाद भी उनकी भारतीय टीम में वापसी नहीं हुई है।

इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि किताबों पर धूल जमने से कहानियां खत्म नहीं होती है। उनका ये पोस्ट अब काफी वायरल हो रहा है।

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

# बॉलीवुड तड़का

## हवा से ज्यादा जमीन पर दिखी एरियल एक्शन वाली 'फाइटर'

**नई दिल्लीः** ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर एरियल एक्शन ड्रामा 'फाइटर' आज 24 जनवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज हो गई है। यह फिल्म साल 2022 में रिलीज हुई 'विक्रम वेदा' के बाद ऋतिक की पहली बड़ी रिलीज है। ट्रेलर के अनुसार ये पहले ही साफ था कि इसमें भारतीय वायुसेना के कुछ बेहतरीन पायलटों की कहानी बताई जाएगी, जो देश को बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। हालांकि, फिल्म न केवल कआ और फाइटर जेट्स के बारे में है, बल्कि इसमें बड़े पैमाने पर एक्शन सीन्स के साथ भावनात्मक ड्रामा भी है। यदि आप इस वीकेंड 'फाइटर' देखना चाह रहे हैं तो इस रिव्यू को अंत तक पढ़ें और समझें कि फिल्म आपके लिए प्लैटर में क्या परोसने वाली है।

**फिल्म की कहानी**

'फाइटर' की कहानी पाकिस्तानी सेना के अधिकारी और उनके प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा भारत में घुसपैठ की योजना की चर्चा से ही शुरू होती है। इसके बाद लीड एक्टर्स का परिचय कराया जाता है, जहां एक ओर ऋतिक शमशेर पठानिया उर्फ पैटी की भूमिका निभाते हैं, जो श्रीनगर आईएएफ स्टेशन का 'सर्वश्रेष्ठ' पायलट है।

वहीं दीपिका पादुकोण भी हेलिकॉप्टर पायलटों में से एक और अनिल कपूर इनके रिपोर्टिंग बॉस हैं।ऋषभ साहनी ने मुख्य प्रतिद्वंद्वी यानी फिल्म में विलेन अजहर अख्तर की भूमिका निभाई है, जो पाक सेना की मदद से भारतीय सेना पर हमला करने की योजना बनाता है। एक हमले में दो पायलटों वाला एक लड़ाकू विमान पीओके के अंदर दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है। हालांकि इस दुर्घटना में दोनों पायलट बच जाते हैं। इसके बाद वो पाकिस्तानी सेना की गिरफ्त मे आ जाते हैं। अब भारत अपने इन सेनानियों को वापस भारत लाने की कोशिश में जुटता है। यही 'फाइटर' की कहानी है।

सिद्धार्थ आनंद 'वॉर' और 'पठान' जैसी अपनी एक्शन फिल्मों के लिए लोकप्रिय हैं, उन्होंने निश्चित रूप से अपनी हालिया रिलीज में ऐसा करने का पूरा प्रयास किया है। लेकिन 'फाइटर' में जिस चीज की कमी महसूस हुई वो थी लीड स्टार्स का जायज और भरपूर इस्तेमाल है। फिल्म के लगभग एक चौथाई हिस्से में ही एरियल फाइट के दृश्य हैं, जिसमें इन सितारों का अभिनय मुश्किल से ही दिखता है। ये केवल देखने में आकर्षक दृश्य हैं। हालांकि, फिल्म न सिर्फ एक्शन सीन्स से भरी है बल्कि हर किरदार की कहानी भी काफी इमोशनल है।फिल्म की कहानी सिर्फ तीन लीड एक्टर्स के इर्द-गिर्द नहीं है, बल्कि सहायक कलाकारों को भी अपना अभिनय दिखाने का भरपूर मौका दिया गया है। हर किसी की स्क्रीन टाइम अच्छी है, यानी सहायक कलाकार फिलर्स की तरह नजर नहीं आ रहे।

जिन लोगों को राष्ट्रवाद पर फिल्में पसंद हैं उन्हें ये जरूर पसंद आएगी, क्योंकि इसमें कई ऐसे सीन हैं जो आपके रोंगटे खड़े कर देंगे।फिल्म में ऋतिक, दीपिका और अनिल कपूर मुख्य भूमिका में हैं और करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेरॉय, संजीदा शेख सहायक भूमिकाओं में हैं। शारिब हाशमी और आशुतोष राणा का फिल्म में नजर आना सरप्राइज है, क्योंकि इनकी झलक पहले न टीजर और न ही ट्रेलर में देखने को मिली। दोनों का किरदार छोटा है, लेकिन उस कम वक्त में भी दोनों दिल जीतने में कामयाब हैं।

## रिव्यूः 'मैं अटल हूं' में दिखती है त्याग, देशप्रेम और समर्पण की कहानी

**नई दिल्लीः** 'मैं अटल हूं' एक बायोग्राफिकल डॉक्यूमेंटेशन है। फिल्म में पंकज त्रिपाठी अटल बिहारी वाजपेयी की मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी अटल बिहारी वाजपेयी के हर छोटे बड़े पहलु को रेखांकित करती है। 'दलों के इस दलदल के बीच एक कमल खिलाना है' जैसे दमदार संवाद से ही साफ हो जाता है कि अटल बिहारी वाजपेयी कितने सौम्य और दूरदर्शी विचार रखने वाले व्यक्ति थे। ये डायलॉग तब आता है जब भाजपा के गठन की योजना बनाई गई। पंकज त्रिपाठी इस संवाद को पूरा करने के लिए हर वो भाव प्रकट किए, जो अटल बिहारी वाजपेयी की छवि को प्रस्तुत कर सकते थे। पाकिस्तानी मीडिया की एक महिला जर्नलिस्ट के साथ भी फिल्म में एक संवाद है, जो दर्शाता है कि किस तरह वाजपेयी गंभीर बातें भी सरल अल्फ़ाज़ों में कह जाते थे।'मैं आपसे शादी करने को तैयार हूँ लेकिन दहेज में पूरा पाकिस्तान चाहिए', इस डायलॉग के जरिये पंकज त्रिपाठी ने वाजपेयी के मज़ाकिया अंदाज से भी रूबरू कराया है। फिल्म के हर पहलू को आप इस रिव्यू के जरिये समझ पाएंगे।

**फिल्म की कहानी**

अटल बिहारी वाजपेयी की जिंदगी के हर पहलू को छूने का दो घंटे में फिल्म प्रयास करती है। 'मैं अटल हूं' की कहानी की शुरुआत पाकिस्तान के प्रति वाजपेयी के नर्म-गर्म तेवर से शुरू होती है। फिर कहानी फ्लैशबैक में जाती है। एक अच्छा वक्ता बनने के साथ ही एक सफल इंसान और महान राजनेता बनने में पिता के योगदान के साथ कहानी आगे बढ़ती है। अटल बिहारी वाजपेयी के बचपन से शुरुआत होकर युवास्था में पहुंचना, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का निडर कार्यकर्ता बनने से देश के प्रधान मंत्री बनने के सफर को इस कहानी में दिखाया गया है। अटल बिहारी वाजपेयी की प्रेम कहानी कैसे देश प्रेम में बदलती है इसका भी सजीव चित्रण है। आजादी में योगदान देते हुए हेडगेवार को अपना आइडियल मानने वाले वाजपेयी कैसे पंडित दीनदयाल से मिले और श्यामा प्रासाद मुखर्जी के करीबी बने ये दिखाया गया है।

## कियारा-सिद्धार्थ ने दिल्ली में मनाई पहली

## वेडिंग एनिवर्सरी पार्टी का वीडियो हुआ वायरल

**नई दिल्लीः** कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने दिल्ली में अपनी पहली वेडिंग एनिवर्सरी मनाई है। सिड-कियारा की पार्टी की इनसाइड फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

कपल ने अपनी फैमिली के साथ शादी की पहली सालगिरह को सेलिब्रेट किया है। वहीं कियारा-सिद्धार्थ की पहली वेडिंग एनिवर्सरी का पहला वीडियो सामने आ चुका है, जिसमें दोनों परिवार वालों के साथ एंजॉय करते नजर आ रहे हैं। बॉलीवुड के पॉपुलर फेमस कपल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी बीते दिनों दिल्ली में थे। वहीं हाल ही में कपल को इस सेलिब्रेशन के बाद वैलेंटाइन डे से पहले वेकेशन पर भी जाते हुए स्पॉट किया गया है।

> कियारा-सिद्धार्थ की पहली वेडिंग एनिवर्सरी का इनसाइड वीडियो सामने आया है, जिसमें कपल सेल्फी वीडियो रिकॉर्ड करते देखा दिखाई दे रहे हैं। कपल को अपने दोस्तो और परिवार के सदस्यों से घिरे हुए भी देखा जा सकता है।

कियारा-सिद्धार्थ की पहली वेडिंग एनिवर्सरी का इनसाइड वीडियो सामने आया है, जिसमें कपल सेल्फी वीडियो रिकॉर्ड करते देखा दिखाई दे रहे हैं। कपल को अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों से घिरे हुए भी देखा जा सकता है। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा फरवरी 2023 में शादी के बंधन में बंधे थे। कपल ने राजस्थान में शादी की।

बॉलीवुड के पॉपुलर कपल कियारा-सिद्धार्थ ने जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में परिवार के सदस्यों और दोस्तों की मौजूदगी में पारंपरिक हिंदू समारोह में शादी की। कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम पर अपनी वेडिंग फोटोज फैंस के साथ शेयर कीं। सिद्धार्थ-कियारा को बॉलीवुड से लेकर साउथ सिनेमा तक के कई स्टार्स ने सोशल मीडिया पर वेडिंग एनिवर्सरी के लिए जमकर बधाइयां दी है।

## अदा शर्मा ने एयरपोर्ट पर इस वजह से लूटी लाइमलाइट, दादी की साड़ी पहने दिखी एक्ट्रेस

**नई दिल्लीः** अदा शर्मा 'द केरला स्टोरी' के बाद अब 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' में नजर आने वाली है। अदा शर्मा की 'बस?तर' का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। एक्ट्रेस अदा शर्मा अपने लुक्स के कारण हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। वहीं एक बार फिर एक्ट्रेस को एयरपोर्ट पर नए अंदाज में देखा गया है। अदा शर्मा एयरपोर्ट पर अपनी दादी की साड़ी में स्पॉट की गईं जहां उन्होंने पैपराजी के सामने जबरदस्त पोज देते हुए। दादी की साड़ी के बारे में कुछ खास बातें भी बताई। सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल हो रहा है। 'द केरला स्टोरी' के बाद से अदा के करियर ने एक नया मोड़ ले लिया है। बॉलीवुड ही नहीं साउथ में भी अपनी अलग पहचान बना चुकी अदा शर्मा किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस इन दिनों 'केरल स?टोरी' के बाद अपनी अपकमिंग फिल्म 'बस?तर' को लेकर चर्चा में बनी हुई है। इस बीच अदा शर्मा को एयरपोर्ट पर अपनी दादी की साड़ी में स्पोट किया गया। एक्ट्रेस ने अपने लुक को बहुत ही सिंपल रखा था। इस वीडियो को देखने के बाद लोग एक्ट्रेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

## एक्टर मिथुन चक्रवर्ती को कोलकाता के हॉस्पिटल में करवाया गया था एडमिट

**नई दिल्लीः** पॉलिटिशयन मिथुन चक्रवर्ती को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभिनेता को शनिवार 10 फरवरी को कोलकाता के अपोलो अस्पताल में ले जाया गया है। अभिनेता की तबीयत ठीक नहीं थी जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। दिग्गज एक्टर और बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती की हेल्थ के बारे में जानकर उनके फैंस के बीच चिंता का माहौल था लेकिन इस बीच मिथुन के बेटे ने कहा कि वह (पापा) 100% ठीक हैं और अपोलो अस्पताल में यह एक नियमित जांच है। मिथुन चक्रवर्ती 73 साल के हैं। बता दें कि शनिवार यानी 10 फरवरी की सुबह मिथुन चक्रवर्ती को अचानक सीने में दर्द के साथ-साथ बेचैनी भी महसूस हो रही थी, जिसके बाद उन्हें फौरन अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल अब उनकी तबीयत स्थिर है।

सब का सपना

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा आर्यावर्त प्रिंटर्स सौम्या सदन गोकुल बिहार, अमरोहा उत्तर प्रदेश 244221 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।

संपादक : अनुज कुमार
TitleCode: UPHIN51223
मोबाइल नंबर
9456884327
Officialsabkasapna@gmail.com
www.sabkasapna.com
नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।

## ट्विंकल खन्ना ने किया खुलासा, बताई भारतीय पतियों की ये खास बातें

**नई दिल्लीः** अक्षय कुमार की पत्नी और एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना हमेशा अपनी राइटिंग स्किल के लिए चर्चा में बनी रहती है। ट्विंकल खन्ना ने वेलेंटाइन डे से पहले एक फनी पोस्ट शेयर किया है। ट्विंकल खन्ना उर्फ मिसेज फनीबोन्स ने वेलेंटाइन डे पर अपने विचार शेयर किए हैं। ट्विंकल अपने हंसी-मजाक वाले इंस्टाग्राम कैप्शन के लिए जानी जाती हैं। दुनिया भर में मनाए जाने वाले वेलेंटाइन डे पर एक्ट्रेस ने रिएक्ट किया है। उन्होंने वेलेंटाइन डे पर मजाक में कहा कि उन्हें पता है कि पति अपनी पत्नीयों को क्या गिफ्ट देते हैं? अक्षय कुमार-ट्विंकल खन्ना बॉलीवुड के सबसे पॉपुलर कपल में से एक हैं। कपल सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं।

ट्विंकल खन्ना ने यह सोचते हुए कि वैलेंटाइन डे क्यों मनाया जाता है एक्ट्रेस ने लिखा, 'संभव है कि वैलेंटाइन डे की शुरुआत ही एक प्रयोग के तौर पर हुई हो बोर्ड बैठक के कुछ सीजन में, क्रिसमस के बाद बिन्नी में गिरावट के बारे में चर्चा हुई होगी और उन्हें बचे हुए उपहार से कमाई करने का सोचा होगा। वहीं उन्होंने सोचा होगा की लोगों को गिफ्ट खरीदने के लिए कैसे प्रेरित करना होगा। दूसरी ओर, जर्मन-अमेरिकी के फिलॉस्फर हन्ना ऐरेन्ड्ट ने एक बार कहा था, 'कोई अनुभव तभी प्रकट होता है जब वह कहा जा रहा हो।' अपने सभी कंज्यूमर के साथ, वेलेंटाइन डे शायद प्यार की अमूर्तता को और अधिक ठोस बनाता है।'

> भारतीय पति अपनी पत्नी से बहुत प्यार करते हैं, ऐसे में उनका सिरदर्द बन जाना हमारे लिए किसी वेलेंटाइन डे गिफ्ट से कम नहीं है।' अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना की शादी 2001 में हुई है। यह कपल एक बेटे और एक बेटी-आरव और नितारा के माता-पिता हैं। ट्विंकल खन्ना भारतीय अभिनेत्री हैं जो अपने दमदार किरदार के लिए जानी जाती हैं।

ट्विंकल खन्ना ने भारतीय पति की बताई खास बात एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना ने आगे कहा कि 'हालांकि यदि आप उन महिलाओं से पूछें जिनकी शादी को एक दशक से अधिक हो गया है। आपके पति ने आपको वेलेंटाइन डे पर क्या दिया? तो उनका सबसे ईमानदार जवाब होगा, 'हमेशा की तरह, सिरदर्द।' प्यार वास्तव में रिश्ते को बहुत मजबूत बनता है। चाहे वह मुरझाए हुए लाल गुलाब हों या न हों और कार्ड जिसमें दो कार्टून दिल एक-दूसरे को देख रहे हो। भारतीय पति अपनी पत्नी से बहुत प्यार करते हैं, ऐसे में उनका सिरदर्द बन जाना हमारे लिए किसी वेलेंटाइन डे गिफ्ट से कम नहीं है।' अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना की शादी 2001 में हुई है। यह कपल एक बेटे और एक बेटी-आरव और नितारा के माता-पिता हैं। ट्विंकल खन्ना भारतीय अभिनेत्री हैं जो अपने दमदार किरदार के लिए जानी जाती हैं। फिल्म 'बरसात' से अपने फिल्मी करियर शुरूआत की थी।